page 1 and 8 Apr 7_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/7/2026 1:55 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 गांव बगानी में सेना का स्वास्थ्य शिविर, 218 ग्रामीणों को मिला मुफ्त इलाज

5 वैशाली की लगातार दूसरी जीत, प्रज्ञानानंद और दिव्या ने खेला ड्रा

8 चीड़ से होने वाले विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक फायदे

मौसम जम्मू — न्यूनतम 18 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-84 | जम्मू तवी, मंगलवार 07 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

प्रधानमंत्री ने UCC और 'वन नेशन-वन इलेक्शन' पर दिया जोर अनुच्छेद 370 हटाने को बताया ऐतिहासिक राष्ट्रीय उपलब्धि

नई दिल्ली, 6 अप्रैल। प्रधानमंत्री Narendra Modi ने सोमवार को कहा कि (भाजपा) अपने मूल वैचारिक एजेंडे के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) और 'वन नेशन-वन इलेक्शन' जैसे मुद्दों पर मिशन अभी जारी है, जिन पर गंभीर चर्चा चल रही है और उल्लेखनीय प्रगति भी हुई है।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को वर्चुअल संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने संरचनात्मक सुधारों और समावेशी शासन के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार 2029 के आम चुनाव तक महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने The Emergency (India 1975-1977) के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा झेली गई कठिनाइयों को याद किया और पश्चिम बंगाल व केरल जैसे राज्यों में राजनीतिक उत्पीड़न के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कई कार्यकर्ताओं ने राजनीतिक हिंसा के बीच अपने प्राणों की आहुति दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा का शासन मॉडल स्थिरता, सेवा और राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने दोहराया कि पार्टी का लक्ष्य एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है, साथ ही भ्रष्टाचार, घुसपैठ, जनसंख्या असंतुलन और वंशवाद जैसी चुनौतियों का समाधान करना है।

अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने पुराने औपनिवेशिक कानूनों को समाप्त करने, नए संसद भवन के निर्माण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, तीन तलाक पर प्रतिबंध, नागरिकता संशोधन कानून (CAA) और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र किया।

विशेष रूप से, उन्होंने 2019 में Abrogation of Article 370 को एक ऐतिहासिक कदम बताया, जिसने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण में लंबे समय से मौजूद बाधा को समाप्त किया। उन्होंने कहा, लोगों को लगता था कि यह संभव नहीं है, लेकिन हमने अपना वादा पूरा किया।

प्रधानमंत्री ने भारत की वैश्विक भूमिका पर भी बात करते हुए कहा कि आज देश 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना के साथ दुनिया के सभी देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हुए है।

1980 में स्थापना के बाद से भाजपा के विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सेवा आधारित राजनीति के कारण पार्टी लगातार आगे बढ़ी है।

दिल्ली विधानसभा का बैरियर तोड़कर घुसी कार, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, 06 अप्रैल । दिल्ली विधानसभा परिसर में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक कार गेट नंबर-2 के बैरियर को तोड़ते हुए अंदर घुस गई। इस घटना के कुछ ही घंटों के भीतर दिल्ली पुलिस ने ड्राइवर समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के कब्जे से कार भी बरामद कर ली गयी है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मुख्य आरोपित की पहचान सरबजीत के रूप में हुई है। उसके नाम पर ही टाटा सिएरा कार (नंबर यूपी-26 एजेड 8090) रजिस्टर्ड है। आरोपितों को दिल्ली के रूप नगर इलाके से पकड़ा गया। फिलहाल तीनों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि इस घटना के पीछे की मंशा का पता लगाया जा सके।

घटना सोमवार दोपहर करीब 2:10 बजे की है। उस समय

विधानसभा परिसर के वीआईपी गेट पर सीआरपीएफ के जवान तैनात थे। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार कार ने गेट नंबर-2 के बैरियर को टक्कर मारकर अंदर प्रवेश कर लिया। सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए कार सीधे अंदर तक पहुंच गई, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि कार से एक व्यक्ति बाहर निकला, जो अपने साथ गुलदस्ता और फूलों की माला लेकर आया था। उसने विधानसभा अध्यक्ष की गाड़ी के पास जाकर गुलदस्ता रखा और कुछ मिनट तक वहीं मौजूद रहा। इसके बाद वह वापस कार में बैठकर फरार हो गया। राहत की बात यह रही कि गुलदस्ते में कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। कार का पंजीकरण उत्तर प्रदेश के पीलीभीत का है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने तुरंत कर्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपितों को दबोच लिया। इस ऑपरेशन में स्थानीय पुलिस के साथ स्पेशल सेल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों ने भी अहम भूमिका निभाई। फिलहाल सभी एजेंसियां मिलकर आरोपितों से पूछताछ कर रही हैं। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा खुद मौके पर पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की। उन्होंने मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी ली। गुप्ता ने बताया कि घटना के समय वे परिसर में ही मौजूद थे।

घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने तुरंत कर्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपितों को दबोच लिया।

भूस्खलन और पत्थर गिरने से एनएच-44 अवरुद्ध, दोनों दिशाओं से यातायात बाधित

जम्मू, 06 अप्रैल । लगातार भूस्खलन और पत्थर गिरने से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर रविवार रात यातायात पूरी तरह से निलंबित कर दिया गया क्योंकि करूल ब्रिज और चंदरकोट के बीच राजमार्ग के दोनों ट्यूब अवरुद्ध हो गए थे।

यातायात पुलिस के अनुसार प्रभावित क्षेत्र में भारी मलबे और गिरते पत्थरों के कारण दोनों ट्यूब/सड़कें असुरक्षित हो गई थीं जिसके कारण अधिकारियों को जम्मू और श्रीनगर दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही रोकनी पड़ी। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया। यातायात नियंत्रण इकाइयों (टीसीयू) को तुरंत सूचित कर दिया गया और भारी मोटर वाहनों (एचएमवी) और हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) को कम से कम एक ट्यूब के साफ होने तक न चलने की सलाह दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) यातायात जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग राजा आदिल हामिद ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सोमवार सुबह से सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। हालांकि, रुक-रुक कर हो रही पत्थरबाजी से काम में बाधा आ रही थी। मौके पर मौजूद अधिकारियों का अनुमान है कि हालात सुधरने पर डाउन ट्यूब को यातायात के लिए खोलने में कम से कम 5 से 6 घंटे लग सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में मंगलवार सुबह से बारिश और बर्फबारी की संभावना

जम्मू, 06 अप्रैल । मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है। मंगलवार सुबह से बुधवार शाम तक रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश होने की आशंका है। इस दौरान ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की भी संभावना है।

पूर्वानुमान के अनुसार जम्मू और कश्मीर दोनों ही डिवीजनों के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हो सकती है, जबकि ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने 7 और 8 अप्रैल को कुछ स्थानों पर गरज, ओलावृष्टि और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की है। यह भी चेतावनी दी है कि थोड़े समय के लिए तेज बारिश से संवेदनशील क्षेत्रों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव हो सकता है। मौसम विभाग ने कहा कि 9 और 10 अप्रैल को ऊंचे पहाड़ी इलाकों में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 11 अप्रैल से 16 अप्रैल तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है

मुख्यमंत्री उमर ने पुनर्वास सहायता योजना के 124 लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र किए वितरित

जम्मू, 06 अप्रैल । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज पुनर्वास सहायता योजना (आरएएस) में प्रक्रिया को तेज करने और मौजूदा कमियों को दूर करने तथा नियुक्ति प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए आवश्यक सुधारों पर विचार करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने ये बातें जम्मू के कन्वेंशन सेंटर में एसआरओ-43 और एसआरओ-94 के तहत नियुक्त जम्मू मंडल के 124 लाभार्थियों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कही।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों द्वारा झेली जा रही कठिनाइयों और प्रक्रिया में देरी को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि एसआरओ-43 में संशोधन का उद्देश्य नियुक्तियों में तेजी लाना था लेकिन इसके कार्यान्वयन के दौरान कुछ कमियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि हम आपकी कठिनाइयों से अवगत हैं और यह भी जानते हैं कि प्रक्रिया में अपेक्षित समय से अधिक समय लगा। योजना में और बदलाव करने की आवश्यकता है ताकि नियुक्तियाँ शीघ्र और कुशलतापूर्वक पूरी हो सकें।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार भविष्य में इस तरह की देरी को कम करने के लिए योजना को परिष्कृत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि पिछले वर्षों में की जाने वाली नियुक्तियाँ बहुत बाद में हों। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम कमियों की पहचान करेंगे और आवश्यक सुधार लाएंगे।

नियुक्तियों के भावुक संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी नौकरी आमतौर पर खुशी का क्षण होता है लेकिन आरएएस के तहत ऐसी नियुक्तियाँ एक अपूरणीय व्यक्तिगत क्षति के बाद मिलती हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी मिलना अक्सर किसी के जीवन का सबसे खुशी का दिन होता है लेकिन आपके मामले में यह किसी प्रियजन को खोने के बाद मिली है। आप जो आघात सह रहे हैं वह किसी भी परीक्षा से कहीं अधिक है।

रेलवे का बड़ा सेफ्टी अपग्रेड: 1,364 करोड़ रुपये से कवच, सिग्नलिंग और कम्युनिकेशन सिस्टम होगा मजबूत

नई दिल्ली, 06 अप्रैल । रेल मंत्रालय ने रेल सुरक्षा और आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 1,364.45 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनका उद्देश्य ट्रेनों की सुरक्षा बढ़ाना, सिग्नलिंग सिस्टम को आधुनिक बनाना और कम्युनिकेशन नेटवर्क को मजबूत करना है।

रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रमुख कार्यों में 'कवच' प्रणाली का विस्तार, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का उन्नयन और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की स्थापना शामिल है। ये सभी पहलें ट्रेन संचालन को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और दक्ष बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही हैं।

सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में कवच सिस्टम का विस्तार शामिल है। इसके तहत दक्षिण रेलवे के 232 लोकोमोटिव में कवच वर्जन 4.0 लगाया जाएगा, जिस पर 208.81 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह तकनीक ट्रेन टक्कर रोकने में मदद करती है और सुरक्षा के लिहाज से गेमचेंजर मानी जाती है वहीं, उत्तर रेलवे में 3,200 से अधिक रूट किलोमीटर पर ऑप्टिकल फाइबर कम्युनिकेशन (ओएफसी) नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 400.86 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

जम्मू-कश्मीर में नशा मुक्ति केंद्रों के लिए सरकार ने बनाए नियम

श्रीनगर, 6 अप्रैल। Government of Jammu and Kashmir ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र शासित प्रदेश में नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्रों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 के तहत जम्मू-कश्मीर सब्स्टेंस यूज डिसऑर्डर ट्रीटमेंट, काउंसलिंग और रिहैबिलिटेशन सेंटर नियम, 2026 लागू किए हैं। इन नियमों के तहत स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक (जम्मू/कश्मीर) या सरकार द्वारा नामित अधिकारी को लाइसेंस जारी करने का अधिकार होगा। नियमों के अनुसार, बिना वैध लाइसेंस के कोई भी व्यक्ति नशा मुक्ति या पुनर्वास केंद्र संचालित नहीं कर सकता।

इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टाफिंग के लिए तय किए गए दिशा-निर्देश

लाइसेंस केवल तब जारी किया जाएगा जब केंद्र के बुनियादी ढांचे, भौतिक सुविधाओं, योग्य स्टाफ, उपचार और परामर्श प्रणाली, रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था तथा निर्धारित चिकित्सा और नैतिक मानकों का निरीक्षण और सत्यापन किया जाएगा।नियमों में यह भी कहा गया है कि कोई भी केंद्र आवासीय क्षेत्र में संबंधित नगर निगम, नगरपालिका या पंचायत की पूर्व अनुमति के बिना संचालित नहीं किया जा सकता। साथ ही संबंधित पुलिस थाने से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिके ' (NOC) लेना अनिवार्य होगा।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में अर्बन चैलेंज फंड के क्रियान्वयन रणनीति की समीक्षा की

जम्मू, 06 अप्रैल। मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने आज एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्र शासित प्रदेश में महत्वाकांक्षी अर्बन चैलेंज फंड (इज्ञ) के क्रियान्वयन के रोडमैप की समीक्षा की। इस दौरान आवास एवं शहरी विकास विभाग द्वारा प्रस्तुति दी गई, जिसमें शहरी वित्तपोषण और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। बैठक में संबंधित प्रशासनिक सचिवों के अलावा आयुक्त सचिव, आवास एवं शहरी विकास विभाग तथा अन्य विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं की पहचान योजना के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जाए। उन्होंने कहा कि

इस योजना में शहरी क्षेत्रों के विकास स्तर को बदलने की अपार क्षमता है और इसका पूरा लाभ उठाकर शहरों को अधिक रहने योग्य और नागरिक अनुकूल बनाया जाना चाहिए।बैठक में बताया गया कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार की सहायता कुल परियोजना लागत का केवल 25त्न होगी, जबकि कम से कम 50त्न धनराशि बाजार स्रोतों जैसे बॉन्ड, बैंक ऋण और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से जुटाई जाएगी। यह मिश्रित वित्तपोषण मॉडल वित्तीय स्थिरता को बढ़ाने और पारंपरिक बजटीय निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जुड़वां शहरों (ट्विन सिटीज) में कम से कम एक दर्जन व्यवहार्य परियोजनाओं को चिन्हित किया जाए, जिनमें शहरी परिवहन, पार्किंग, आवास, सौंदर्यीकरण और अन्य क्षेत्रों को शामिल किया जाए। उन्होंने समयबद्ध तरीके से उच्च गुणवत्ता वाली परियोजनाएं तैयार करने पर जोर दिया। बैठक की शुरुआत में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के गुरजीत सिंह ढिल्लों ने योजना का विस्तृत परिचय दिया और इसके संभावित लाभों व कार्यान्वयन ढांचे पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर के अधिकांश शहरी क्षेत्रों को इस योजना के दायरे में लाया जा सकता है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) शैलेंद्र कुमार ने बैंक योग्य परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और PPP परियोजनाओं के पिछले अनुभवों से सीख लेने की सलाह दी।

'एक छात्र-एक पेड़' के आह्वान के बीच सकीना इटू ने जम्मू से मेगा वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की

जम्मू, 06 अप्रैल। पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शिक्षा, समाज कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज जम्मू-कश्मीर में एक मेगा वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की। यह अभियान SRML हायर सेकेंडरी स्कूल (HSS), जम्मू से शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास की भावना को विकसित करना है।

इस अवसर पर विधायक कैसर जमशैद लोन, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हसनैन मसूदी, शौकत हुसैन गनी, एमडी ICDS सज्जाद हुसैन गणई, निदेशक स्कूल शिक्षा जम्मू नसीम जाविद चौधरी, निदेशक समाज कल्याण जम्मू रणजीत सिंह, निदेशक स्वास्थ्य जम्मू, प्रिंसिपल स्क्रूरू HSS जम्मू, CEO जम्मू सहित कई अधिकारी, शिक्षक और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कश्मीर संभाग के विभिन्न अधिकारियों और स्कूलों ने वर्चुअल माध्यम से भी भाग लिया।

यह अभियान स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, समाज कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभागों के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत जमीनी स्तर से होनी चाहिए और इसमें स्कूलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अमृतसर में पाकिस्तान निर्मित दो हैंड ग्रेनेड बरामद, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़, 06 अप्रैल । पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) विंग ने दो आर्गस हैंड ग्रेनेडों और एक विदेशी ग्लॉक पिस्तौल बरामद करने के साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद किए गए ग्रेनेडों पर पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री (पीओएफ) की मार्किंग है, जो हथियार तस्करों से सीमा पार के संबंधों को दर्शाती है। पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश करने की जानकारी सोमवार को पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। उन्होंने बताया कि तरन तारन के गांव अम्मीशाह निवासी सरबजीत सिंह, अमृतसर के गांव नंगल पन्नूआं निवासी बिक्रमजीत सिंह और अमृतसर की इंद्रा कॉलोनी निवासी अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह मॉड्यूल कई राज्यों में योजनाबद्ध तरीके से पुलिस संस्थानों को निशाना बनाने की कार्रवाई में शामिल रहा है और मुलजिमों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने उनके मंसूबों को पूरी तरह नाकाम कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की पहचान, ट्रैकिंग और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

जाविद अहमद डार ने मनरेगा के तहत सिंचाई कार्यों की समीक्षा की

***जम्मू, 06 अप्रैल।** कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री जाविद अहमद डार ने आज एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें मनरेगा के तहत सिंचाई नहरों (खुल) की सफाई और माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में 2026-27 के लिए प्रस्तावित कार्य योजना पर भी चर्चा हुई, जिसका उद्देश्य सिंचाई ढांचे को मजबूत करना और किसानों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ाना है। बैठक में बताया गया कि कुल 26,198 कार्यों में से लगभग 12,000 पूरे हो चुके हैं और 13,493 कार्य प्रगति पर हैं। इन कार्यों को 10 अप्रैल 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इन परियोजनाओं पर ?267.90 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। नहरों और जल स्रोतों की बड़े पैमाने पर सफाई की जा रही है, जिससे जल प्रवाह और सिंचाई क्षमता बढ़ेगी। बैठक में यह भी बताया गया कि मनरेगा के तहत जॉब कार्ड धारकों का ई-केवाईसी सत्यापन चल रहा है, ताकि

पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित कार्य समय पर पूरे किए जाएं और कृषि व बागवानी विभागों के साथ समन्वय बनाए रखा जाए।

उन्होंने स्थानीय समुदाय और किसानों की भागीदारी को भी आवश्यक बताया, ताकि योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो सके।

तूफानों के बीच थीम पार्क की सुंदर दुनिया

खूबसूरत बिल्डिंगों से सजा आधुनिक शहर... चमचमाती रोशनी... साफ-सुथरी सड़क... तेज जिंदगी और एक भूकम्प..... खूबसूरत शहर का एकाएक खाक हो जाना... यह मंजर सोचकर ही भयावह लगता है, लेकिन अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत के नागरिकों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। अपनी जीवटता के कारण वे हर तूफान के बाद शहर की बदशक्ल हो चुकी शक्ल को पहले से ज्यादा सुंदर बना देते हैं।

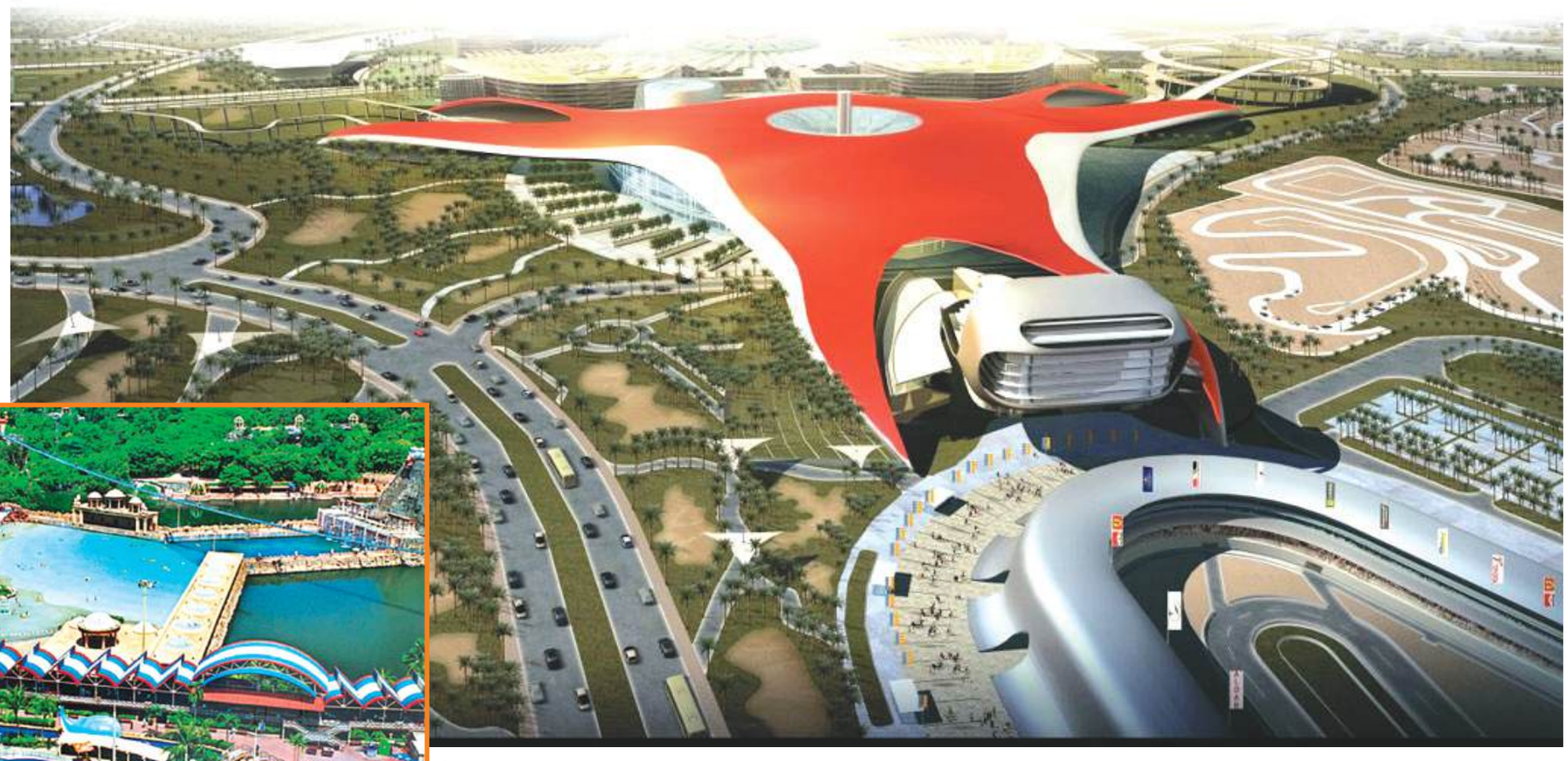

खूबसूरत बिल्डिंगों से सजा आधुनिक शहर... चमचमाती रोशनी... साफ-सुथरी सड़क... तेज जिंदगी और एक भूकम्प..... खूबसूरत शहर का एकाएक खाक हो जाना... यह मंजर सोचकर ही भयावह लगता है, लेकिन अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत के नागरिकों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। अपनी जीवटता के कारण वे हर तूफान के बाद शहर की बदशक्ल हो चुकी शक्ल को पहले से ज्यादा सुंदर बना देते हैं।

आज हम आपकी मुलाकात करा रहे हैं, फ्लोरिडा की खास पर्यटन नगरिया ओरलैंडो से। ओरलैंडों की आबादी मात्र दो लाख है, लेकिन यहाँ हर साल लगभग पाँच करोड़ पर्यटक आते हैं। पर्यटकों की खासी आवाजाही ने इस उपनगर को महानगर जैसा रूप दे दिया है। होटलों की दृष्टि से यह अमेरिका का दूसरा बड़ा शहर है। ओरलैंडों को पॉप म्यूजिक की राजधानी भी माना जाता है। यहाँ का रॉक म्यूजिक काफी लोकप्रिय है। रात का सुरमई अँधेरा छाते ही यहाँ के पब और डिस्कोथेक रोशन हो जाते हैं। यहाँ के लाइव रॉक बैंड इस माहौल में चार चाँद लगा देते हैं।

आकर्षणः- वंडर वर्क्स : फ्लोरिडा में बार-बार तूफान आते हैं। इन तूफानों से प्रेरणा लेकर ओरलैंडों वासियों ने एक अनूठे भवन का निर्माण करवाया है और उसे नाम दिया है - वन्डर वर्क्स। यहाँ के इंटरनेशनल ड्राइव मार्ग पर बनी यह इमारत सभी का ध्यान खींचती है। बिल्डिंग को देखते ही महसूस हो जाता है कि इसे यह नाम क्यों दिया गया। बिल्डिंग को पूरी तरह उल्टा बनाया गया है।

इसकी छत नीचे और नींव ऊपर है। इसे एक नजर देखने के बाद महसूस होता है कि तेज तूफान ने इसे जड़ से उखड़े पेड़ की तरह उखाड़ फेंका है। आप इस बिल्डिंग के बाहरी स्वरूप को देखकर ही ठिठक जाएँगे, लेकिन जरा अंदर जाइए जनाब। बिल्डिंग के अंदर आपके लिए काफी कुछ है। कम्प्यूटर के इस युग में यहाँ हर चीज तकनीक से सजी है। यहाँ एक खास कमरे में आप भूंकप या तूफान के समय होने वाले कंपन को महसूस कर सकते हैं। बच्चों के लिए यहाँ खासी मनोरंजक चीजों का भंडार है।

यूनिवर्सल स्टूडियो- यह फिल्म और टीवी सीरियल बेस थीम पार्क है। इस थीम पार्क की सबसे मजेदार बात है कि यहाँ आप स्क्रीन के अंदर जाकर रील लाइफ में एक्शन का लुत्फ ले सकते हैं। यहाँ आप 'शार्क' फोर डी जैसी ऑस्कर विनिंग फिल्म में प्रिंसेस फियोना का साथ दे सकते हैं।

यहाँ सारी फिल्में इंटरेक्टिव सेक्शन में रखी गई हैं। जैसे शार्क थ्री डी फिल्म है, लेकिन यहाँ उसे फोर डी का रूप देकर नन्हे मेहमानों के लिए खास डायमेंशन बनाया गया है। शार्क की ही तरह यहाँ ' रिवेंज ऑफ द ममी, फियर फेक्टर लाइव, मेन इन ब्लैक, ईटी एडवेंचर' जैसी फिल्में इंटरेक्टिव सेक्शन में शामिल हैं।

डिजनी लैंडः- ओरलैंडो को बच्चों का स्वर्ग कहा जाए तो गलत न होगा। यहाँ बच्चों के लिए काफी कुछ है... इनमें से एक है डिजनी लैंड। यहाँ आकर बच्चे कार्टून की रंग-बिरंगी दुनिया से रू-ब-रू होंगे। बच्चे यहाँ न सिर्फ खूबसूरत कार्टून कैरेक्टर जैसे मिक्की-माउस, एरियल, चिकिन लिटल आदि से मिल सकते हैं, बल्कि कार्टून फिल्म कैसे बनाई जाती है आदि प्रकियाएँ भी देख-समझ सकते हैं। यहाँ वे वॉल्ड डिजनी की कल्पनाओं से भी रु-ब-रू हो सकते हैं, जो मिकी के चरित्र को रचते समय उनके जेहन में थीं।

यहाँ के मैजिकल कासल में 'विश कम ट्रू' नामक 12 मिनट की खूबसूरत फिल्म दिखाई जाती है। इस फिल्म में डिज्नी के क्लासिकल गानों और कार्टून कैरक्टरों के संवादों को मिलाकर दिलचस्प फिल्म दिखाई जाती है। इसके अलावा यहाँ हर रात होने वाला फायर वर्क्?स शो बच्चों को काफी पसंद आता है। इस शो में आधे घंटे तक तेज रोशनी वाले पटाखे जलाए जाते हैं।

वॉटर पार्क - कुछ एक साइटिंग और एडवेंचरस चाहिए तो डिजनी लैंड का वॉटर पार्क आपकी सही मंजिल है। यहाँ कई फन पैक्ड वॉटर राइड्स हैं। बड़े और बच्चों दोनों को ध्यान रखकर वॉटर स्लाइड्स बनाई गई हैं। यहाँ आकर आपको लगेगा कि आप वॉटर वर्ल्ड में आ गए हैं।

नासा का कैनेडी स्पेस सेंटरः- ओरलैंडो से मात्र 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, नासा का विश्व प्रसिद्ध कैनेडी स्पेस सेंटर। आप कुछ आवश्यक इजाजत लेकर विज्ञान की इस दुनिया को जान समझ सकते हैं।

फायर वर्क्स डेः- ओरलैंडो में न्यू ईयर ईव और स्वतंत्रता दिवस के दिन खासतौर पर फायर वर्क्स डे मनाया जाता है। इस दिन ओरलैंडोवासी 'दीवाली' की तरह रोशन रात का जश्न मनाते हैं। सरकार की तरफ से खास आयोजन किए जाते हैं, जिन्हें देखने दूर-दूर से लोग आते हैं।

कब जाएँ- ओरलैंडो जाने के लिए जुलाई-अगस्त का मौसम सबसे अच्छा है। ' समर' यहाँ का पीक मौसम है। इस समय पर्यटकों की भीड़ इस शहर को घेर लेती है। 4 जुलाई के दिन यहाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस समय आप यहाँ लोकतांत्रिक अमेरिका को ओरलैंडों की नजर से बेहद खूबसूरत लाल-नीले और सफेद रंग में निहार सकते हैं।

कैसे जाएँ- आप अमेरिका के लिए दिल्ली या मुंबई से सीधी फ्लाइट ले सकते हैं। इस शहर में हवाई यात्रा का खासा जाल बिछा हुआ है। यहाँ का ओरलैंडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट और सेनफोर्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश-विदेश की करीब साठ एयरलाइंस से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा शहर में बस, टैक्सी और ट्रेन का अच्छा जंक्शन है, जिन्हें आप अपने बजट के अनुसार चुन सकते हैं।

कहाँ ठहरे- होटलों की दृष्टि से ओरलैंडो अमेरिका का दूसरा बड़ा शहर है। यहाँ सस्ते टूरिस्ट हाउस से लेकर मँहगे आलीशान फाइव स्टार होटल हैं। आप यहाँ जाने से पहले होटल की ऑनलाइन बुकिंग कर लें तो बेहतर होगा। यदि आपका कार्यक्रम तय है तो काफी पहले बुकिंग करें। पीक डेज में बुकिंग काफी मँहगी हो जाती है। यहाँ पहले आओ, सस्ता पाओ का फंडा काफी चलता है। इसके साथ ही डिजनी के रिसॉर्ट में ठहरने का अनुभव भी बेहद अनूठा है। यदि यह आपके बजट को सूट करता है तो यहाँ जरूर ठहरें।

बजटः- यदि आप इंडिया से पहले अमेरिका और फिर ओरलैंडों जा रहे हैं तो दो व्यक्तियों के लिए कम-से-कम डेढ़ लाख का खर्चा आएगा। कई अच्छे टूर पैकैज उपलब्ध हैं। उन पर खास ध्यान रखिए। यदि अमेरिका से ओरलैंडों जाना चाहते हैं तो 600-700 डॉलर (25,000 से 30,000 रु.) में काम चल जाएगा।

टिप्सः- क विदेश यात्रा के समय काफी पहले से तय किया कार्यक्रम आर्थिक रूप से फायदेमंद होता है। आप काफी अच्छे ऑफर्स पहले से ही बुक कर सकते हैं। एक कहावत है कि यदि अमेरिका और यूरोप में पहले से बुकिंग करो तो पाँच सौ रुपय में विम्बल्डन का मजा ले सकते हो।

क आज तकनीक का जमाना है। जब भी विदेश घूमने का मन हो, नेट को सच्चा गाइड मानकर लगातार सर्च करते रहें। लेकिन हमारी सलाह है कि बुकिंग आदि के लिए ऑफीशियल साइट का ही उपयोग करें। यहाँ गलत जानकारी और ठगे जाने की संभावना न के बराबर होती है।

क वीजा की पूरी तैयारी काफी पहले से कर लें। ताकि ऐन वक्त पर परेशानी न उठानी पड़े।

कविदेश भ्रमण के समय पासपोर्ट का खास ख्याल रखें। मौज-मस्ती में इसे घुमा न दें।

क विदेश जाते समय हेल्थ बीमा अवश्य करवाएँ। सही समय पर थोड़े से पैसे खर्च करने से आप भविष्य में आने वाली एकाएक तकलीफ के लिए तैयार रहेंगे। शुभ यात्रा।

दमन और दीव दो सुंदर द्वीप

भारत के केंद्रशासित प्रदेशों में दमन और दीव भी है। अरब सागर की अपार-अगाध जलराशि ने इन्हें व्यापार और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बना दिया है। हालाँकि ये बहुत छोटे-छोटे द्वीप हैं, परंतु इनकी प्राकृतिक सुंदरता, विविध संस्कृतियों का मेल व सुंदर समुद्र तटों ने इन्हें असीम खूबसूरती से नवाजा है। गुजरात व महाराष्ट्र राज्य की नजदीकी ने यहाँ के पर्यटन को फलने-फूलने का पूरा मौका दिया। बहुत समय तक दमन और दीव पर पुर्तगालियों का शासन था। उसके बाद इसे पुर्तगालियों से आजाद कराकर गोआ में मिला दिया गया। वर्ष 1987 में इसे एक अलग केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया।

दमन और दीव की स्थिति : भारत के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र मुंबई से दमन की दूरी लगभग 193 कि.मी. है। यह पूर्व में गुजरात राज्य से तथा पश्चिम में अरब सागर से जुड़ा है। इसके उत्तर में 'कोलाक' तथा दक्षिण में 'कलाई' नदी है। दमन का पड़ोसी जिला गुजरात का वलसाड जिला है। दीव भारत का एक ऐसा द्वीप है, जो दो पुलों के द्वारा जुड़ा है। दीव गुजरात के जूनागढ़ जिले से जुड़ा है।

क्या है दमन में : दमन दो भागों में 'मोटी दमन' और 'नानी दमन' में विभाजित है। इन दोनों भागों को विभक्त करने वाली नदी दमनगंगा नदी है। मोटी दमन में कई पुराने चर्च हैं, जिनमें प्रमुख चर्च 'कैथेडरल बोल जेसू' है। इस चर्च की दीवारों पर की गई ईसा मसीह के जीवन से संबंधित सुंदर चित्रकारी व लकड़ी की बेहतरीन नक्काशी पर्यटकों को यहाँ खींच लाती है। नानी दमन का मुख्य आकर्षण संत जैरोम का किला है, जो मुगलों के आक्रमण से सुरक्षा के लिए बनाया गया था।

इसके अलावा दमन के अन्य पर्यटक आकर्षणों में बोम जीजस चर्च, अवर लेडी ऑफ सी चर्च, अवर लेडी ऑफ रेमीडियोज चर्च, परगोला गार्डन, अम्यूजमेंट पार्क, दमनगंगा टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स, काचीगाम, सत्य सागर उद्यान, मिरासोल गार्डन, मिरासोल वाटर पार्क आदि हैं। **दमन के बीचः** दमन की जमीन को छूते अरब सागर ने दमन को अप्रतिम प्राकृतिक सुंदरता व हरियाली प्रदान की है। दमन में दो बीच देविका बीच और जैमपोरे बीच हैं।

देविका बीच : यह बीच दमन से पाँच किमी उत्तर में है। यहाँ कई बड़े बार व रेस्टोरेंट भी हैं। यह बीच बच्चों को बहुत लुभाता है क्योंकि यहाँ बच्चों के लिए पार्क व अन्य सुविधाएँ हैं। **जैमपोरे बीच :** नानी दमन में स्थित यह बीच दमन का प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट भी है। यहाँ सर्वाधिक पर्यटक आते हैं। यहाँ का शांत वातावरण प्रेमियों को खींच लाता है। यही कारण है कि अधिकांश प्रेमी जोड़े यहाँ स्वच्छंदता की तलाश में आते हैं। तैराकी के लिए भी यह बीच बहुत अच्छा स्थान है।

क्या है दीव में : सेंट पॉल चर्च, दीव फोर्ट, पनीकोटा फोर्ट, घोघला बीच, चिल्ड्रन पार्क और समर हाउस यहाँ के मुख्य पर्यटन स्थल हैं।

दीव के बीचः

नगोआ बीच : यह दीव का बेहद ही सुंदर बीच है। दीव से 20 मिनट की ड्राइव करके आप आसानी से यहाँ पहुँच सकते हैं। जू?ते के आकार के समान होने के कारण 2 किमी तक फैला यह द्वीप अब पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है।

चक्रतीर्थ बीच : यह बीच हरियाली के सौंदर्य से भरपूर है। इस बीच के आसपास स्थित सुंदर बगीचे, खुला स्टेडियम इसे पर्यटकों के लिए फुल इंजॉयमेंट का स्थान बनाता है।

कब जाएँ दमन और दीव : वैसे तो दमन और दीव की जलवायु वर्षभर पर्यटकों को आकर्षित करती है किंतु यहाँ आने का उपर्युक्त मौसम अक्टूम्बर से मई तक का है।

कैसे पहुँचें दमन और दीव : सड़क मार्ग की लंबाई : दमन में 191 किमी का सड़क मार्ग है तथा दीव में 78 किमी तक लंबा सड़क मार्ग है।

नजदीकी रेलवे स्टेशन : दमन पश्चिम रेलवे के दिल्ली-मुंबई रूट पर स्थित है। यहाँ का नजदीकी रेलवे स्टेशन गुजरात का 'वापी' है। दीव मीटर गेज रेलवे लाइन से जुड़ा है। दीव का नजदीकी रेलवे स्टेशन 'दिलवाड़ा' है।

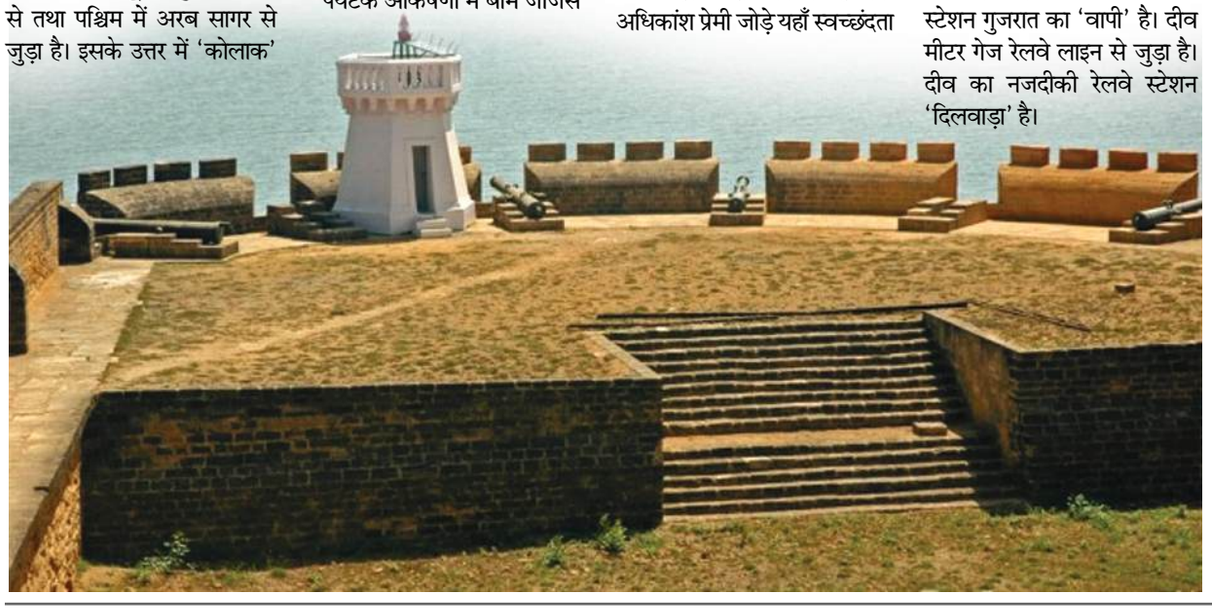

दार्जीलिंग और सिक्किमः हरियाली और रास्ता

रास्ता ही मानो ख्वाब था दिल्ली से बागडोगरा की फ्लाइट थी। जैसे ही बागडोगरा के एयरपोर्ट पर उतरे, तैयार खड़ी गाड़ी से शुरू हुआ दार्जीलिंग का सफर। वातावरण में चिपचिपाहट भरी उमस थी। लगा कि यहाँ आने का निर्णय गलत तो नहीं ? लेकिन जैसे-तैसे कोर्सियांग नजदीक आने लगा, हरियाले पर्वत व ठंडी हवा अपना असर दिखाने लगे। बागडोगरा से कोर्सियांग होते हुए दार्जीलिंग का सफर करीब साढ़े तीन घंटे का था। दार्जीलिंग के लोकल सीन गंगा मैया, जापानी मंदिर, म्यूजियम वगैरह तो दर्शनीय थे ही, लेकिन वहाँ से करीब दो घंटे की दूरी पर स्थित मिरिक झील तक पहुँचने का रास्ता ही मानो ख्वाब जैसा था। हल्के हरे गलीचे की तरह बिछे चाय के खेत और गहरे हरे पर्दे की तरह खड़े ऊँचे पाइन ट्री किसी पोस्टर का-सा आभास दे रहे थे। वहाँ के हर घर के बाहर बेशुमार रंग-बिरंगे फूल वहाँ की घनी प्राकृतिक संपदा की कहानी स्वयं बयान कर रहे थे। शायद वहाँ की मिट्टी की ही खासियत थी कि हर झाड़ी पर पत्तों से ज्यादा फूल नजर आते थे। पूरी राह पर बीच-बीच में पेड़ों व पहाड़ों से लिपटे बादल गाड़ी में आकर कपोलों को छू जाते थे। बिलकुल किसी सपने की तरह जो दिखाई तो देते हैं, पर हाथ नहीं आते। लगा समुद्र में डुबकी लगाई अगले दिन टाइगर हिल पर सूर्योदय का दिलकश नजारा देखने हम 4 बजे ही उठकर पहुँच गए।

5 बजते-बजते सूर्यदेव ने अपना सिन्दूरी मस्तक जरा-सा ऊँचा किया तो इतने उजले लगे मानो समुद्र में डुबकी लगाकर आए हों। ये सारे नजारे कैमरे के साथ आँखों में भी कैद करके बिना किसी थकावट के अगले दो दिन के पड़ाव पेंलिग जा पहुँचे, जहाँ प्रसिद्ध फिल्म कलाकार डैनी डैंगजोप्पा का घर भी था।

यमनोत्री धाम यमुना के उद्गम स्थल की यात्रा

भारत की सर्वाधिक प्राचीन और पवित्र नदियों में गंगा के समकक्ष ही यमुना की गणना की जाती है। भगवान कृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यह नदी ब्रज संकृति की संवाहक है। भारतवासियों के लिए यह सिर्फ एक नदी नहीं है, भारतीय संस्कृति में इसे माँ का दर्जा दिया गया है।

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धामों में यमनोत्री का भी स्थान है। आइए, हम अपने शब्दों के माध्यम से आपको यमनोत्री की सैर करवाते हैं। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय क खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद नामक पर्वत से हुआ है। हिमालय में पश्चिम गढ़वाल के बर्फ से ढँके श्रंग बंदरपुच्छ जो कि जमीन से 20,731 फुट ऊँचा है, के उत्तर-पश्चिम में कालिंद पर्वत है। इसी पर्वत से यमुना नदी का उद्गम हुआ है। कालिंद पर्वत से नदी का उद्गम होने की वजह से ही लोग इसे कालिंदी भी क्हते हैं।

यमुना नदी का वास्तविक स्रोत कालिंद पर्वत के ऊपर बर्फ की एक जमी हुई झील और हिमनद चंपासर ग्लेश्यिर है। यह ग्लेश्यिर समुद्र तल से 4421 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसी ग्लेश्यिर से यमुना नदी निकलती है और ऊँचे-नीचे, पथरीले रास्तों पर इठलाती, बलखाती हुई पर्वत से नीचे उतरती है। यमुना नदी के इस शुद्ध निर्मल जल और स्वछंद प्रवाह

के दर्शन करने अनेक तीर्थयात्री और पर्यटन हर साल हजारों की संख्या में यमनोत्री धाम पहुँचते हैं। भक्तिभाव से यमुना नदी के दर्शन करने आने वालों के साथ-साथ एडवेंचर के शौकीनों और प्रकृतिप्रेमियों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

तीर्थयात्री और पर्यटक देवी यमुना के मंदिर तक ही आते हैं। यह मंदिर पहाड़ी पर वास्तविक ग्लेश्यिर से कुछ नीचे स्थित है। इस मंदिर तक पहुँचने का मार्ग अत्यंत खूबसूरत है। इस मंदिर की चढ़ाई करते हुए आस-पास की हिमाच्छादित पहाड़ियों के मनोहारी दृश्य यात्रियों की सारी थकान को हर लेते हैं। जो लोग पहाड़ी पर चढ़ने में समर्थ नहीं होते उनके लिए यहाँ टट्टू और पालकी की सुविधा उपलब्ध है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

कठुआ में पोषण आपूर्ति की समीक्षा, डीसी ने दिए सख्त गुणवत्ता जांच के निर्देश

कठुआ, 06 अप्रैल (हि.स.)। जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक में पोषण के तहत सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन प्रोग्राम की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने डीसी कार्यालय परिसर में की।

बैठक में बच्चों, गर्भवती व धात्री महिलाओं को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से मिलने वाले पोषण आहार की खरीद, गुणवत्ता, वितरण और निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया गया। उपायुक्त ने निर्धारित गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों के नियमित निरीक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण स्तर की जांच के लिए फील्ड विजिट बढ़ाई जाए तथा सभी स्तरों पर जवाबदेही तय हो। उन्होंने आईसीडीएस, स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य विभागों के समन्वय को जरूरी बताते हुए कहा कि प्रभावी निगरानी और जनभागीदारी से ही पोषण मिशन के लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। बैठक में समिति की संरचना व कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। इससे पहले आईसीडीएस के प्रोग्राम अधिकारी ने जिले में चल रही पोषण गतिविधियों और लाभार्थियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रोग्राम अधिकारी मोहम्मद सईद, मुख्य योजना अधिकारी रंजीत ठाकुर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, सीडीपीओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जेएसके रेंज के नए डीआईजी श्रीधर पाटिल ने संभाला कार्यभार, सख्त और जन-केंद्रित पुलिसिंग की उम्मीदें बढ़ीं

जम्मू, 06 अप्रैल (हि.स.)। जेएसके रेंज के नव नियुक्त डीआईजी श्रीधर पाटिल ने सोमवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। उनके पदभार ग्रहण करते ही पूरे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदों का माहौल बन गया है।

क्षेत्र के लोगों ने डीआईजी पाटिल का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनसे मजबूत, निर्णायक और जन-केंद्रित पुलिसिंग की अपेक्षा जताई है। खासतौर पर नशा तस्करी पर सख्त कार्रवाई, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और सीमावर्ती इलाकों में कड़ी निगरानी को लेकर लोगों की बड़ी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि श्रीधर पाटिल के अनुभव और कार्यशैली से पुलिस व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, जिससे आम जनता का भरोसा भी और मजबूत होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा अपराध पर प्रभावी अंकुश लगेगा। डीआईजी श्रीधर पाटिल को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं और उनके कार्यकाल को सफल एवं प्रभावशाली रहने की कामना की गई है।

गांव बगानी में सेना का स्वास्थ्य शिविर, 218 ग्रामीणों को मिला मुफ्त इलाज

जम्मू, 06 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के गांव बगानी में भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर के क्रॉस्ड स्वॉर्ड्स गनर्स द्वारा सामुदायिक कल्याण के तहत एक बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। आगामी विश्व स्वास्थ्य दिवस के मद्देनज़र आयोजित इस शिविर की थीम स्वस्थ गांव, सुरक्षित गांव रखी गई थी। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 218 स्थानीय ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा संचालित जनरल ओपीडी के माध्यम से व्यापक चिकित्सा परामर्श प्राप्त किया। शिविर में मरीजों को मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं, साथ ही बेसिक डायग्नोस्टिक सेवाएं भी उपलब्ध

कराई गईं जिससे जरूरतमंद लोगों को तत्काल राहत मिल सकी।

यह पहल पीपुल्स हट फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित की गई जो नागरिक-सैन्य साझेदारी का एक सशक्त उदाहरण है। इस संयुक्त प्रयास का उद्देश्य दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बेहतर बनाना है। इस शिविर की सफलता भारतीय सेना की जमीनी स्तर पर सामुदायिक सेवा और निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। स्वस्थ गांव, सुरक्षित गांव जैसे अभियानों के जरिए सेना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में लगातार प्रयासरत है।

दवा दुकानों और औषधि प्रतिष्ठानों का व्यापक जाँच अभियान

कुलगाम, 06 अप्रैल (हि.स.)। कुलगाम पुलिस ने सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए जिले भर में दवा दुकानों और औषधि प्रतिष्ठानों की व्यापक जाँच अभियान चलाया। अभियान के दौरान संयुक्त टीमों ने विभिन्न दवा दुकानों और औषधि प्रतिष्ठानों पर स्टॉक रजिस्टर, बिक्री और खरीद रिकॉर्ड, वैध लाइसेंस और अन्य अनिवार्य दस्तावेजों का निरीक्षण किया। इसका उद्देश्य किसी भी अनियमितता का पता लगाना और दवाओं, विशेष रूप से नियंत्रित और निर्धारित दवाओं की अवैध बिक्री या दुरुपयोग पर अंकुश लगाना था जो युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन का कारण बन सकती हैं।

शैक्षणिक संस्थानों के आसपास के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया जहाँ छात्रों और युवाओं को दवाओं की अवैध बिक्री को रोकने के लिए जाँच तेज कर दी गई।

शिव सेना हिंदुस्तान की बैठक में जनसहायता शिविरों का ऐलान, दस्तावेज़ी समस्याओं के समाधान पर जोर

जम्मू, 06 अप्रैल (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान की जम्मू-कश्मीर इकाई ने पुरखू कैंप में पार्टी अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की जिसमें आम जनता की सहायता के लिए व्यापक जमीनी स्तर के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि गांव-स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे जहां राशन कार्ड सुधार, नए सदस्यों विशेषकर बच्चों के नाम जोड़ने, लेबर

कार्ड पंजीकरण तथा आधार को मोबाइल नंबर से लिंक करने जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य लोगों को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। इस अवसर पर पंडित राजेश केशरी ने कहा कि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग सरकारी दफ्तरों में लंबी कतारों और जटिल प्रक्रियाओं के कारण दस्तावेज़ी कार्य पूरे नहीं कर पाते। ऐसे में ये शिविर सेवाओं को लोगों के दरवाजे तक पहुंचाकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे।

राशन कार्ड व एलपीजी समस्याओं को लेकर प्रतिनिधि मंडल ने निदेशक एफसीएसएन्डसीए से की मुलाकात

जम्मू, 06 अप्रैल (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले जम्मू के निदेशक राजेश कुमार शवन से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने उन्हें ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका 'कर्तव्य मार्ग' भेंट की और आम जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उनके समक्ष रखे।

5 हजार की रिश्वत लेते जूनियर असिस्टेंट रंगे हाथों गिरफ्तार

जम्मू, 06 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए समाज कल्याण विभाग बिलावर में तैनात जूनियर असिस्टेंट देसराज को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के अनुसार आरोपी ने राज्य विवाह सहायता योजना के तहत 50 हजार रुपये जारी करने के बदले शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये की मांग की थी, जिसे बाद में 5 हजार रुपये पर तय किया गया। शिकायतकर्ता पहले ही 1500 रुपये दे चुका था, जबकि आरोपी बाकी 3000 रुपये की मांग कर रहा था। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने जांच कर आरोप सही पाए और जाल बिछाकर आरोपी को रिश्वत लेते मौके पर ही दबोच लिया। उसके कब्जे से रिश्वत की राशि भी बरामद की गई।

जमाबंदी रिकॉर्ड सत्यापन को लेकर डीसी कठुआ की अपील, नागरिकों से ऑनलाइन जांच करने को कहा

कठुआ, 06 अप्रैल (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने जिले के नागरिकों से अपने डिजिटाइज्ड भूमि रिकॉर्ड (जमाबंदी) का सत्यापन करने की अपील की है।

उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी जमीन से संबंधित विवरण की जांच करें और किसी भी त्रुटि या आपत्ति को ऑनलाइन या संबंधित राजस्व कार्यालय में दर्ज कराएं, ताकि समय रहते सुधार किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य राजस्व रिकॉर्ड को पारदर्शी, सटीक और अद्यतन बनाना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे आज ही अपने रिकॉर्ड की जांच कर उन्हें त्रुटिरहित बनाएं।

ब्राह्मण समाज पर अभद्र टिप्पणी का मामला गरमाया, कठुआ में एफआईआर दर्ज, सख्त कार्रवाई की मांग

कठुआ, 06 अप्रैल (हि.स.)। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में ब्राह्मण समाज पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर जम्मू-कश्मीर सहित देशभर में आक्रोश देखा जा रहा है। इसी के चलते श्री ब्राह्मण सभा कठुआ ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठुआ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवा दिया है। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता की अध्यक्षता में सभा के सदस्य पुलिस स्टेशन पहुंचे और लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे बयान समाज में आपसी भाईचारे को बिगाड़ने का प्रयास हैं जिन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभा के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसी धर्म, समाज या जाति के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने की हिम्मत न करे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सभा के सदस्यों ने कहा कि भारत एक विविधताओं वाला देश है जहां सभी धर्म और जातियां मिलकर एकता का प्रतीक हैं। लेकिन कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू में पौधारोपण अभियान, 150 पौधे लगाए गए

जम्मू, 06 अप्रैल (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज में सोशल फॉरेस्ट्री विभाग के सहयोग से कॉलेज परिसर में एक सफल पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के दौरान छात्रों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के लगभग 150 पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में एनएसएस और एनसीसी इकाइयों के साथ-साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिससे पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति उनकी मजबूत प्रतिबद्धता झलकती है।

यह पौधारोपण अभियान उच्च शिक्षा विभाग जम्मू और कश्मीर के निर्देशों के तहत केंद्र शासित प्रदेश में चलाए जा रहे लाइव प्लांटेशन ड्राइव का हिस्सा था। इस पूरे अभियान की निगरानी उच्च शिक्षा मंत्री सकीना इटू द्वारा की गई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। इस मौके पर सोशल फॉरेस्ट्री के डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर अशोक कलसी, रेंज ऑफिसर नीरज गुप्ता, एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. राहुल कैत और डॉ. नेहा शर्मा, एनसीसी एएनओ डॉ. शफ़िया सलीम सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में भी ऐसे पर्यावरण-अनुकूल अभियानों को जारी रखने का सामूहिक संकल्प लिया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/डबलिंग उत्तर रेलवे, जम्मू तवी भारत के राष्ट्रपति की ओर से और निम्नलिखित कार्य के लिए एक पैकेट सिस्टम के तहत खुले ई–निविदा आमंत्रित करते हैं :-

1	काम और स्थान का नाम	उप–मुख्य अभियंता (निर्माण/दोहरीकरण), जम्मू तवी के अधीन जम्मू तवी और पठानकोट स्टेशनों के रेलवे क्वार्टरों, कार्यालयों और विश्राम गृहों की मरम्मत और रखरखाव।
2	काम की समाप्ति अवधि	6 (छह) महीने।
3	लगभग काम की लागत	रु. 1,36,48,432.60
4	अग्रिम धन जमा करने के लिए कम से कम धन	रु. 2,73,000.00/–
5	ई–निविदा जमा करने और निविदा निविदाएं खोलने के लिए दिनांक और समय	आई.आर.ई.पी.एस वेब साइट यानी **www.ireps.gov.in** पर 30.04.2026 की तारीख को 15:00 बजे तक निविदाएं अपलोड की जा सकती हैं। बोली दाता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं, जिसमें से, तकनीकी सह वाणिज्यिक बोलियां 30.04.2026 को 15.00 बजे खोली जाएंगी।
6	विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज।	विस्तृत ई–निविदा सूचना उत्तर रेलवे वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। ऊपर निविदा दस्तावेज 16.04.2026 से 30.04.2026 तक आईआरईपीएस वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर प्रस्ताव जमा करने के लिए उपलब्ध होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर विस्तृत निविदा सूचना भी देखी जा सकती है।

निविदा सूचना क्रमांक 1-WDYCECDJAT-26-27 दिनांक 04.04.2026 1130/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खन्ना चारगल स्कूल में सिविल डिफेंस जागरूकता कार्यक्रम, छात्रों को सिखाए जीवन रक्षक उपाय

जम्मू, 06 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल खन्ना चारगल में सिविल डिफेंस विभाग द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डिप्टी एसपी एवं डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस ज़िया-उल-हक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ जिसमें स्कूल के करीब 100 छात्र-छात्राओं और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सिविल डिफेंस विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को फर्स्ट एड, फायर फाइटिंग, सीपीआर और अन्य जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी। विशेष रूप से एयर रेड और प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले एहतियाती उपायों के बारे में विस्तार से

समझाया गया। इसके साथ ही सिविल डिफेंस टीम द्वारा व्यावहारिक प्रदर्शन (डेमोंस्ट्रेशन) भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आपदा के समय सतर्क रहने और सही कदम उठाने के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे किसी भी आपात स्थिति में खुद को और दूसरों को सुरक्षित रख सकें। स्कूल की प्रिंसिपल अनीता ने इस पहल की सराहना करते हुए सिविल डिफेंस टीम का धन्यवाद किया। वहीं, चीफ वार्डन सिविल डिफेंस जम्मू परमजीत कुमार ने अपने संबोधन में सिविल डिफेंस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह देश की आपदा तैयारी प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करना है।

जश्न-ए-बहार कला कार्यशाला में विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मकता, कलाकारों ने दिए टिप्स

जम्मू, 06 अप्रैल (हि.स.)। जश्न-ए-बहार के तहत आयोजित राष्ट्रीय कला कार्यशाला के तीसरे दिन मास्टर संसार चंद बारू मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट ने पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के सहयोग से कश्मीर हार्वर्ड शैक्षणिक संस्थान में एक विशेष डेमोंस्ट्रेशन और इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में प्रसिद्ध कलाकार सूरज कुमार, सचिन नाइक झा, जाविद इकबाल, ज़रगर ज़हूर, शर्मिला शर्मा, सैयद मुर्तज़ा, विजयलक्ष्मी दीपक मेर, संदीप अहेर और साहिल अहमद माकन सहित कई कलाकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए कलाकारों के मार्गदर्शन में अपनी पेंटिंग्स तैयार कीं। स्कूल परिसर एक रचनात्मक मंच में बदल गया, जहां बच्चों ने रंगों, विषयों और तकनीकों के साथ प्रयोग करते हुए अपनी कल्पनाशीलता को अभिव्यक्त किया। कलाकारों ने विभिन्न पेंटिंग शैलियों का प्रदर्शन करने के साथ-साथ छात्रों के साथ सीधा संवाद किया और उन्हें व्यावहारिक मार्गदर्शन, सुझाव और प्रोत्साहन दिया। इस दौरान छात्रों ने अपनी प्रतिभा और सीखने की उत्सुकता का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर ट्रस्ट की अध्यक्ष अनुराधा ऋषि ने कहा कि ऐसे आयोजन युवा प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें अपनी कला को विकसित करने का मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कला कार्यशाला 10 अप्रैल तक जारी रहेगी जिसमें विभिन्न कला सत्रों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से रचनात्मकता और कला कौशल को बढ़ावा दिया जाएगा।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION REASI

NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No.02 of 2026-27 Dated 04-04-2026

(Single Cover System)

For and on behalf of the Lt. Governor, UT J&K, e-tenders are invited on Percentage basis from approved and eligible Contractors registered with J&K Govt., CPWD, Railways and other State/Central Governments for the following works:-

S. No	Name of Work	Adv. Cost (` in lacs)	Cost of doc.t (in Rs)	Earnest Money (in Rs.Rs)	Time Allowed for completion	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7
1.	Repair / Renovation / Addition / Alteration and other Maintenance work of Various Buildings under various MH in PWD (R&B) Sub Division Reasi (Under Stage Contract) for the year 2026-27	50.00	1500/-	10000/-	31-03-2027	"A"B"
2.	Repair / Renovation / Addition / Alteration and other Maintenance work of Various Buildings under various MH in PWD (R&B) Sub Division Pouni (Under Stage Contract) for the year 2026-27	20.00	600/-	40000/-	31-03-2027	"BC"
3.	Repair / Renovation / Addition / Alteration and other Maintenance work of Various Buildings under various MH in PWD (R&B) Sub Division Arnas (Under Stage Contract) for the year 2026-27	20.00	600/-	40000/-	31-03-2027	"BC"

Note: - **Advertised amount has been mentioned only for the purpose of fixing the tender fee**. During the execution of the work, the said amount **may increase or decrease depending upon the actual requirement**.

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website **http://jktenders.gov.in** as per below schedule:-

1	Date of Publishing of Tender Notice	06-04-2026
2	Period of downloading of bidding documents	From 06-04-2026 to 25-04-2026, 1600 Hrs
3	Bid submission Start Date	06-04-2026
4	Clarification start date	06-04-2026
5	Clarification end date	25-04-2026 up to 1600 Hrs
6	Pre-bid meeting date	21-04-2026 at 1200 Hrs.
7	Bid Submission End Date	25-04-2026 up to 1600 Hrs
8	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	27-04-2026 on or after 1200 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division, Reasi.
9	Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed.

Position of Funds: - **Demanded**

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of **e-challan Treasury Challan indicating therein Treasury Receipt No. & date along with seal and Signature of the concerned Treasury, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Reasi uploading a copy of treasury challan complete in all respects and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan/ Bid Security/Affidavits between date of start of bid submission and bid submission end date) duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Reasi** as mentioned in the bid documents.
2. The date and time of opening of bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.in and conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address.
3. The bids of Responsive bidders shall be opened online on same Web Site in the Office of Executive Engineer R&B Division, Reasi .
4. The earnest money of the unsuccessful bidder shall be released only after submission of Treasury Challan.
5. The electronic bidding system would not allow any late submission of bids after due date and time as per server time. Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadline for submission of bids. For this, the bidder need not make any additional payment towards the cost of tender document. For bid modification and consequential re-submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification/withdrawal by other means will not be accepted. In online system of bid submission, the modification and consequential- submission of bids is allowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid is withdrawn, the re-submission of the bid is not allowed. No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
6. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site **www.jktenders.gov.in** and conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The **Financial-bids of Responsive bidders** shall be opened online in the **Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division, Reasi** . The date for same shall be intimated separately.
7. The bids for the work shall remain **valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.**

No:- 121-25
Dated:- 04-04-2026

SD/-
(Er. Pawan Kumar Bogia)
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Reasi

DIP/J-173/26
Dtd: 6-4-2026

संपादकीय

सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करें

पिछले सप्ताह की घटना, जिसमें कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स और पोर्टलों ने पाम आइलैंड मॉल में तीन आतंकियों की मौजूदगी की फर्जी खबर साझा की, इस शक्तिशाली माध्यम के गैर-जिम्मेदाराना उपयोग का एक चौंकाने वाला उदाहरण है। इस तरह की लापरवाही समाज पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। हालांकि, इस मामले में तुरंत कार्रवाई की गई और जम्मू पुलिस ने इन खबरों का खंडन करते हुए आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की तथा मीडिया संस्थानों से जिम्मेदारी से व्यवहार करने का अनुरोध किया, क्योंकि अपुष्ट खबरें अनावश्यक दहशत पैदा कर सकती हैं।

पुलिस द्वारा जारी बयान में स्पष्ट कहा गया कि ये रिपोर्ट पूरी तरह निराधार हैं। मौके पर मौजूद पुलिस टीमों ने जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया। ऐसे गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्टिंग करने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स और पोर्टलों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना जरूरी हो गया है। साथ ही, लोगों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे केवल सरकारी स्रोतों, विश्वसनीय पोर्टलों और प्रिंट मीडिया पर ही भरोसा करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और व्यक्तिगत अकाउंट्स की तेजी से बढ़ती संख्या के कारण बिना सत्यापन के वीडियो और खबरें साझा करने की प्रवृत्ति बढ़ गई है।

इस मामले में पुलिस ने मीडिया संस्थानों से अपील की है कि वे अफवाहें फैलाने से बचें और जिम्मेदारी का परिचय दें, क्योंकि इस तरह की अपुष्ट खबरें समाज में डर और भ्रम की स्थिति पैदा कर सकती हैं। यह आश्चर्यजनक है कि जब पुलिस ने 24 घंटे उपलब्ध कंट्रोल रूम और अन्य संपर्क माध्यम उपलब्ध कराए हैं, तब भी बिना पुष्टि किए ऐसी खबरें प्रसारित करना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है बल्कि कानून के खिलाफ भी है। सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि फर्जी खबरें साझा करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

यह भी चिंताजनक है कि कुछ व्यक्ति और संगठन जल्दी से जल्दी खबर साझा करने की होड़ में बिना जांचे-परखे और मनगढ़ंत खबरें प्रसारित कर देते हैं, जिससे समाज में अव्यवस्था फैलती है। आज के दौर में, जब डीपफेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग बढ़ रहा है, तब सोशल मीडिया पर किसी भी सामग्री को बिना सोचे-समझे साझा करना बिल्कुल उचित नहीं है। सोशल मीडिया पोर्टलों को चाहिए कि वे सामग्री साझा करने से पहले उसकी पुष्टि के लिए एक टीम नियुक्त करें।

अंततः, सोशल मीडिया का समझदारी से उपयोग लोगों को जोड़ने और जागरूक करने का माध्यम बन सकता है, लेकिन इसका दुरुपयोग शांति और व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। इसलिए, हर व्यक्ति को जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए और ऑनलाइन कुछ भी पोस्ट या साझा करने से पहले अच्छी तरह सोच लेना चाहिए।

शुरुआती कदमों से भविष्य के सपनों तक- हर बच्चे के लिए सीखने का नया स्वरूप

श्री धर्मेंद्र प्रधान
राष्ट्रीय नवनिर्माण का क्षण

हर साल, जब स्कूलों के द्वार नए शैक्षणिक सत्र के लिए खुलते हैं, तो भारत सामूहिक संकल्प के सबसे गहन उदाहरणों में से एक का साक्षी बनता है। पहाड़ों और तटों से लेकर शहरों और दूरदराज के गांवों तक, लाखों बच्चे कभी-कभी अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों के बावजूद, नए जोश, नई आकांक्षाओं और अपार संभावनाओं के साथ अपनी कक्षाओं में कदम रखते हैं। यह एक शांत लेकिन शक्तिशाली राष्ट्रीय क्षण है। इस वर्ष भी लगभग दो करोड़ बच्चों ने पहली कक्षा में प्रवेश लिया है, जो आशा और एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी दोनों को समेटे हुए है।

भारत का स्कूली ढांचा बेहद विशाल है। इसमें 14.7 लाख से अधिक स्कूल, लगभग 25 करोड़ नामांकित छात्र और एक करोड़ से यादा शिक्षक शामिल हैं। ये संख्याएं केवल प्रशासनिक स्तर को मापने का जरिया भर नहीं हैं, बल्कि ये शिक्षा के माध्यम से हमारे देश के भविष्य को गढ़ने की एक मजबूत प्रतिबद्धता की घोषणा करती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने रटने की आदत से आगे बढ़कर जिज्ञासा, समझ और समग्र विकास (होलिस्टिक डेवलपमेंट) को सीखने के केंद्र में रखा है। हर नया शैक्षणिक सत्र उस सपने को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

बालवाटिका लागू होने से अब छोटे बच्चों की शुरुआती पढ़ाई स्कूल व्यवस्था का हिस्सा बन गई है। इससे बचे पहली कक्षा में बेहतर तैयारी और मजबूत बुनियादी कौशल के साथ प्रवेश करते हैं। बचे का स्कूल में दाखिला उसके जीवनभर के सीखने और समाज से जुड़ने की शुरुआत होता है। इसलिए जरूरी है कि यह सफर खुशी, अछे माहौल और अपनापन महसूस कराने वाला हो।

स्कूल का पहला दिन खास होता है। इसमें थोड़ी झिझक होती है, तो नए शुरुआत की खुशी भी होती है। छोटे-छोटे बचे अपने बड़े-बड़े भाव लेकर स्कूल आते हैं और उनकी जिज्ञासु आंखें एक नई दुनिया देखती हैं। जब बचे खुद को सुरक्षित और महत्वपूर्ण महसूस करते हैं, तो वे खुलने लगते हैं। वे यादा भाग लेते हैं, सवाल पूछते हैं और उनकी जिज्ञासा बढ़ती है। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास भी मजबूत होता जाता है। शुरुआती साल खेल, खोज और नई चीज़ें सीखने पर आधारित होने चाहिए, यही जीवनभर की सीखने की यात्रा की शुरुआत है।

अछे रिश्ते बहुत मायने रखते हैं। एक समझदार और देखभाल करने वाला शिक्षक बचे की जिंदगी बदल सकता है। सहयोगी कक्षा माहौल बचे की चुप्पी को भागीदारी में और भागीदारी को आत्मविश्वास में बदल सकता है। जब बचा खुद को सच में समझा और सुना हुआ महसूस करता है, तो उसकी जिज्ञासा हिम्मत में बदल जाती है। और जब उसे अपनापन महसूस होता है, तो वह अपनी आवाज़ पहचानने लगता है।

इन प्रारंभिक वर्षों के केंद्र में बुनियादी साक्षरता और अंकगणित के प्रति एक मजबूत राष्ट्रीय प्रतिबद्धता निहित है। निपुण भारत मिशन के माध्यम से, भारत ने एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है- कक्षा 2 के अंत तक प्रत्येक बचा समझ के साथ पढ़ सके और बुनियादी अंकगणित कर सके। ध्यान उत्तरों को रटने से हटकर अवधारणाओं को समझने पर केंद्रित है। कक्षाओं को बचों को केवल उत्तर दोहराने के बजाय प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यह दृष्टिकोण अकादमिक शिक्षा से परे है। कला, खेल और मूल्य सीखने की प्रक्रिया के अनिवार्य अंग हैं। शिक्षा को संपूर्ण बचे का निर्माण करना चाहिए- न केवल मन का, बल्कि शरीर और हृदय का भी। शारीरिक गतिविधि और पोषण दैनिक स्कूली जीवन का अभिन्न अंग हैं। एक स्वस्थ बचा बेहतर सीखता है, अधिक भाग लेता है और आत्म-सम्मान की स्वस्थ भावना के साथ विकसित होता है।

वैश्विक स्तर पर, बचों की जीवनशैली में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। खान-पान की आदतों में बदलाव और शारीरिक गतिविधि में कमी कई देशों के लिए चिंता का विषय बन गई है। भारत इस चुनौती का सक्रिय रूप से सामना कर रहा है। अनिवार्य शारीरिक शिक्षा, स्कूलों में मोटापे से निपटने के लिए ऑयल बोर्ड और शुगर बोर्ड जैसे उपाय और पोषण गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने वाली मजबूत पीएम-पोषण योजना स्कूलों को स्वास्थ्य और सक्रिय जीवनशैली की ओर उन्मुख कर रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना है जो स्वास्थ्य को समग्र विकास का केंद्र मानती हो।

हालांकि प्रौद्योगिकी शिक्षा और पहुंच के लिए एक शक्तिशाली माध्यम है, सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से स्क्रीन टाइम, ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। यह एक वैश्विक चिंता है, न कि केवल भारत तक सीमित। स्कूलों और परिवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इसका उपयोग सीखने के साधन के रूप में किया जाए, न कि ध्यान भटकाने के साधन के रूप में।

इस दृष्टिकोण में बचों का मानसिक और भावनात्मक कल्याण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्कूली पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों में सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा को शामिल किया गया है ताकि बचों के विकास में सहयोग मिल सके, ऐसे समय में जब बचे पिछली किसी भी पीढ़ी की तुलना में अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण दुनिया का सामना कर रहे हैं। सुरक्षित और तनावमुक्त वातावरण बनाने के लिए स्कूलों, अभिभावकों, शिक्षकों और समुदायों के संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं।

सुधार केवल नीतिगत दस्तावेजों के माध्यम से बचों तक नहीं पहुंचता, यह शिक्षकों के माध्यम से ही लागू होता है। वे ही शिक्षा के परिवर्तन के सचे सूत्रधार हैं, जो दूरदृष्टि और कक्षा की वास्तविकता के बीच की खाई को पाटते हैं। शिक्षकों को बहुभाषी वातावरण में पढ़ाना चाहिए और यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बचे की मातृभाषा का सम्मान किया जाए और उसे सीखने के एक सशक्त साधन के रूप में उपयोग किया जाए। इसे महत्व देकर, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि औपचारिक शिक्षा में उनका संक्रमण सहज, आत्मविश्वासपूर्ण और उनकी अपनी पहचान से जुड़ा हो। मैं अपने शिक्षकों से आह्वान करता हूं कि वे प्रत्येक बचे की गति, व्यक्तित्व का सम्मान करते हुए और अपनी देखरेख में प्रत्येक छात्र के भावनात्मक और मानसिक कल्याण के प्रति सचेत रहते हुए योग्यता-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दें।

शिक्षा विद्यालय के द्वार पर शुरू या समाप्त नहीं होती। घर ही पहला कक्षास्थल है और माता-पिता ही पहले शिक्षक। घर पर बचे जो अनुभव प्राप्त करते हैं, वही उनके विद्यालय में सीखने के तरीके को आकार देता है। पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना और बचे के प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर देना, ज्ञान की जिज्ञासा को पोषित करने के सूक्ष्म कार्य हैं। मैं माता-पिता से

इन प्रारंभिक वर्षों के केंद्र में बुनियादी साक्षरता और अंकगणित के प्रति एक मजबूत राष्ट्रीय प्रतिबद्धता निहित है। निपुण भारत मिशन के माध्यम से, भारत ने एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है- कक्षा 2 के अंत तक प्रत्येक बचा समझ के साथ पढ़ सके और बुनियादी अंकगणित कर सके। ध्यान उत्तरों को रटने से हटकर अवधारणाओं को समझने पर केंद्रित है। कक्षाओं को बचों को केवल उत्तर दोहराने के बजाय प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यह दृष्टिकोण अकादमिक शिक्षा से परे है।

आग्रह करता हूं कि वे सुनिश्चित करें कि बचों को संतुलित पोषण और पर्याप्त नींद मिले, उन्हें प्रतिदिन पर्याप्त शारीरिक गतिविधि और बाहरी वातावरण का अनुभव मिले। माता-पिता को विद्यालय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए और बचे की सफलता को केवल अंकों के आधार पर ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, दयालुता और सीखने में निरंतर रुचि के आधार पर भी मापना चाहिए। माता-पिता अपने बचे को जो सबसे बड़ा उपहार दे सकते हैं, वह है यह विश्वास दिलाना कि सीखना वास्तव में आनंददायक है।

शिक्षा एक साझा जिम्मेदारी है। यह सरकारों, स्कूलों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदायों की जिम्मेदारी है। हर हितधारक की इसमें भूमिका है। हर बचे को सीखने की यात्रा में देखा, सुना और मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। हमारी शिक्षा प्रणाली की सची पहचान कुछ चुनिंदा उच उपलब्धि हासिल करने वालों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना हर बचा आत्मविश्वास और आनंद के साथ सीखता है या नहीं। आइए, समावेशी, नवोन्मेषी और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली के निर्माण के प्रति अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दोहराएं। साथ मिलकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हर कक्षा सपनों को साकार करने का स्थान बने और आने वाले कल के नेताओं का निर्माण हो। 2047 तक विकसित भारत के अग्रदूत आज हमारी कक्षाओं में मौजूद हैं। आइए, उन्हें उड़ान भरने के लिए सुनहरे पंख दें।

(लेखक केंद्रीय शिक्षा मंत्री हैं)

खरगे प्रसंग- तब ऐसी अशिक्षा क्या बुरी है !

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गुजरात के लोगों को लेकर कहा है कि वहां के लोग अशिक्षित हैं, इसलिए वहां के लोगों को पीएम मोदी आसानी से गुमराह कर सकते हैं, लेकिन केरल के लोग यादा समझदार और शिक्षित हैं, इसलिए उन्हें कोई भ्रमित नहीं कर सकता। निश्चित ही यह कहकर खरगे ने न सिर्फ गुजरात के लोगों का, बल्कि उन सभी रायों में निवासरत भारतवासियों का अपमान किया है, जहां भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

देश में वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का भारतीय राजनीति में व्यापक विस्तार है। भाजपा सीधे तौर पर या गठबंधन के माध्यम से देश के 21 रायों/केंद्र शासित प्रदेशों में सत्ता में है। एक तरह से देखें तो उत्तर भारत (हिंदी हृदयस्थल), पश्चिम भारत और उत्तर-पूर्व भारत के अधिकांश हिस्से में भाजपा का सीधा प्रभाव है, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार, महाराष्ट्र, पूर्वोत्तर के महत्वपूर्ण रायों में यह बड़े क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मजबूती से जुड़ी हुई है। यह भी एक तथ्य है कि भाजपा और उसके सहयोगियों वाले राय भारत की लगभग 60 फीसद से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 58 से 62 प्रतिशत से अधिक हिस्सा उन रायों में आता है जहाँ कि आज भाजपा या एनडीए की सरकारें हैं।

अब इस दिए गए खरगे के बयान के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि 卐कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी द्वारा गुजरात के लोगों के संदर्भ में दिए गए बयान अत्यंत आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस प्रकार की टिप्पणी न केवल 6 करोड़ गुजरातवासियों का अपमान है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पावन धरती की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती है।卐 गुजरात ने हमेशा राष्ट्र निर्माण, विकास और एकता में अग्रणी भूमिका निभाई है और आगे भी करता रहेगा। ऐसे बयान कांग्रेस की संकीर्ण सोच को दर्शाते हैं। यह टिप्पणी स्पष्ट करती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की विकास की राजनीति और उसे मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से कांग्रेस कितना असहज और असुरक्षित महसूस कर रही है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की तरह ही अन्य विरोध के स्वर भी सामने आए हैं, जिन्होंने सीधे तौर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को सिरे से नकारते हुए इसे अनुचित एवं देश के आमनागरिकों का अपमान बताया है। कभी-कभी लगता है कि पिछले 11 सालों से अधिक समय से केंद्रीय सत्ता से दूर रहने के बाद भी शायद कांग्रेस समझना नहीं चाहती! यदि वास्तव में देश की जनता के मर्म को समझती तो इस तरह के संकुचित और स्वयं से भड़ास केंद्रित बयान कम से कम कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तो नहीं देते। फिर इस बयान के संदर्भ में एक दूसरा दृष्टिकोण भी है, वह यह कि यदि गुजरात के लोग अशिक्षित भी हैं तो क्या बुरा है? वे जीवन का सत्य तो गहराई से पहचानते हैं!

यदि खरगे केरल से गुजरात की तुलना कर भी रहे हैं तो देखें कि दोनों ही राय आज कहां खड़े हुए हैं। वस्तुत: भारत के विकास परिदृश्य में केरल और गुजरात दो ऐसे राय हैं, जो भिन्न विकास मॉडलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। केरल को जहाँ सामाजिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव विकास सूचकांक के लिए जाना जाता है, वहीं गुजरात आर्थिक वृद्धि, औद्योगिकीकरण और निवेश के क्षेत्र में अग्रणी है। तुलनात्मक अध्ययन से ध्यान में आता है कि कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गुजरात आगे है।

अध्ययन जनसंख्या से आरंभ करते हैं; गुजरात की जनसंख्या लगभग 7.3 से 7.5 करोड़ है, जो केरल की लगभग 3.5 करोड़ जनसंख्या से दोगुनी से अधिक है। सामान्यत: यह अपेक्षा की जाती है कि अधिक जनसंख्या वाले राय में संसाधनों पर दबाव अधिक होगा, बेरोजगारी और अपराध जैसी समस्याएँ अधिक होंगी, किंतु वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई देती है। गुजरात, अपनी बड़ी जनसंख्या के बावजूद, रोजगार सृजन, औद्योगिक विस्तार और आर्थिक अवसरों के माध्यम से इन चुनौतियों को नियंत्रित करने में सफल रहा है। इसके विपरीत, केरल में कम जनसंख्या होने के बावजूद बेरोजगारी दर अधिक है।

यहां बेरोजगारी दर 2025-26 में लगभग 7-8 फीसद के आसपास है। इसके विपरीत, गुजरात में बेरोजगारी दर मात्र 2-3 प्रतिशत है, जोकि देश में सबसे कम में से एक है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि केवल शिक्षा दर उच होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आर्थिक संरचना और रोजगार सृजन की क्षमता अधिक महत्वपूर्ण है, जिसमें कि गुजरात आगे है। केरल की साक्षरता दर लगभग 96 फीसद है, जबकि गुजरात की 80-85 फीसद के बीच है, किन्तु इस उपलब्धि के बावजूद, यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या शिक्षा की ये उपलब्धि आर्थिक अवसरों में परिवर्तित हो रही हैं? उच शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी इस बात का संकेत देती है कि केरल की सामाजिक प्रगति आर्थिक संरचना से पूरी तरह जुड़ नहीं पाई है।इसके विपरीत, गुजरात ने शिक्षा में अपेक्षाकृत कम प्रदर्शन के बावजूद आर्थिक अवसरों का विस्तार कर संतुलन स्थापित किया है। आर्थिक दृष्टि से गुजरात का प्रदर्शन अत्यंत प्रभावशाली रहा है। 2025-26 में गुजरात का सकल राय घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग 29-30 लाख करोड़ के आसपास पहुँच चुका है, जबकि केरल का जीएसडीपी लगभग ?14-15 लाख करोड़ है। विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले में भी गुजरात लगातार शीर्ष रायों में बना हुआ है। 2025 तक यह राय अरबों डॉलर का निवेश आकर्षित कर चुका है। गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसका औद्योगिक आधार है। पेट्रोकेमिकल, फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और बंदरगाह आधारित उद्योगों ने इसे भारत का औद्योगिक केंद्र बना दिया है। कहना होगा कि किसी भी राय में उसकी समग्र सफलता के लिए दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए औद्योगिक आधार अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस क्षेत्र में गुजरात की बढ़त निर्णायक है।

युद्ध अब सिर्फ युद्ध नहीं रहे!

परिचय दास

कभी युद्ध का अर्थ सीधा था—दो सेनाएँ, दो सीमाएँ और बीच में धूल, धुआँ, बारूद। तलवारें टकराती थीं तो आवाज़ दूर तक जाती थी। किसी नगर पर धावा होता था तो आकाश तक उसकी खबर पहुँचती थी। युद्ध दिखता था, सुनाई देता था और उससे डरना भी आसान था। अब युद्ध ने अपनी देह बदल ली है। उसने अपने हथियार छिपा लिए हैं और अपना चेहरा धोकर भीड़ में खड़ा हो गया है। अब वह घोषणा नहीं करता, धीरे-धीरे भीतर उतरता है, जैसे कोई आदत, जैसे कोई विश्वास।

अब युद्ध सिर्फ सीमाओं पर नहीं होते। वे हमारे हाथों में पकड़े छोटे-से यंत्र में भी चलते रहते हैं। हम उसे फोन कहते हैं, वह हमें दुनिया से जोड़ता है लेकिन उसी के भीतर एक और दुनिया है जहाँ शब्द हथियार बन जाते हैं, सूचना एक रणनीति हो जाती है और सच, किसी सॉफ़्टवेयर की तरह संपादित किया जा सकता है। यह एक ऐसा युद्ध है जिसमें गोली नहीं चलती पर एक अफ़वाह लाखों मनों को घायल कर देती है। यहाँ सैनिक नहीं दिखते पर स्क्रीन के पीछे बैठे लोग अदृश्य मोर्चे पर लगे होते हैं। यह युद्ध शोर नहीं करता पर धीरे-धीरे हमारी समझ को बदल देता है, हमारे निर्णयों को मोड़ देता है और हमें यह भी नहीं पता चलता कि हम कब एक विचार के पक्ष या विपक्ष में खड़े कर दिए गए।

आर्थिक युद्ध की प्रकृति भी उतनी ही विचित्र है। इसमें बम नहीं गिरते पर अर्थव्यवस्थाएँ ढह जाती हैं। मुद्रा का मूल्य एक अदृश्य आक्रमण का शिकार हो जाता है, व्यापारिक प्रतिबंध एक नए तरह की नाकेबंदी बन जाते हैं। किसी देश को हराने के लिए अब उसके शहरों को जलाना आवश्यक नहीं, उसके बाज़ारों को रोक देना ही पर्याप्त है। यह युद्ध इतना संयमित दिखाई देता है कि उसमें हिंसा की पहचान करना कठिन हो जाता है पर उसकी मार उतनी ही गहरी होती है—बेरोज़गारी के रूप में, महँगाई के रूप में, और उस अदृश्य भय के रूप में जो धीरे-धीरे लोगों के भीतर घर कर जाता है।

सांस्कृतिक युद्ध और भी सूक्ष्म है। यह हमारी भाषा में प्रवेश करता है, हमारे स्वाद को बदलता है, हमारी स्मृतियों को पुनर्लेखित करता है। यह हमें हमारे ही अतीत से थोड़ा-थोड़ा दूर करता है और एक नए वर्तमान में ढालता है जहाँ हम अपने ही प्रतीकों को पहचानने में हिचकने लगते हैं। यह युद्ध किसी सेना के साथ नहीं आता बल्कि गीतों, फिल्मों, विज्ञापनों, और जीवन-शैली के रूप में फैलता है। हम इसे अपनाते हैं, कभी स्वेच्छा से, कभी अनजाने में और धीरे-धीरे यह हमारी पहचान का हिस्सा बन जाता है। यह जीत इतनी शांत होती है कि पराजय का बोध भी नहीं होता।

इन तीनों रूपों में एक समानता है—ये युद्ध हमें सीधे घायल नहीं करते, बल्कि हमें बदलते हैं। वे हमारी दृष्टि को प्रभावित करते हैं, हमारी प्राथमिकताओं को पुनर्गठित करते हैं और हमारी संवेदनाओं को नई दिशा देते हैं। पहले युद्ध में शत्रु स्पष्ट होता था; अब वह धुंधला है। पहले युद्ध का अंत होता था—विजय या पराजय के साथ; अब इन युद्धों का कोई स्पष्ट अंत नहीं। वे चलते रहते हैं, हमारे जीवन के साथ-साथ, हमारी दिनचर्या के भीतर, हमारे विचारों के पीछे। इस बदलते हुए युद्ध-परिदृश्य में मनुष्य की स्थिति भी बदल गई है। वह अब सिर्फ एक नागरिक नहीं, एक उपभोक्ता भी है, एक उपयोगकर्ता भी और कई बार अनजाने में एक सहभागी भी।

वह उन सूचनाओं को साझा करता है जो किसी और के लिए हथियार बन सकती हैं। वह उन उत्पादों को खरीदता है जो किसी अर्थव्यवस्था को सशक्त या कमजोर कर सकते हैं। वह उन सांस्कृतिक प्रतीकों को अपनाता है जो किसी पहचान को मजबूत या क्षीण कर सकते हैं। इस प्रकार, वह स्वयं इस युद्ध का एक हिस्सा बन जाता है, बिना किसी औपचारिक घोषणा के। यह स्थिति एक अजीब-सी नैतिक उलझन भी पैदा करती है। जब युद्ध दिखाई नहीं देता, तब उसका विरोध कैसे किया जाए? जब शत्रु स्पष्ट नहीं, तब प्रतिरोध किसके विरुद्ध हो? जब हर सूचना संदिग्ध हो, तब सत्य की पहचान कैसे की जाए? ये प्रश्न हमारे समय के सबसे कठिन प्रश्नों में से हैं। इनका कोई सरल उत्तर नहीं, क्योंकि ये युद्ध सरल नहीं हैं।

फिर भी, इस जटिलता के बीच एक बात स्पष्ट होती है—कि युद्ध का केंद्र अब बाहरी नहीं, भीतरी हो गया है। यह हमारे भीतर घटित होता है। हमारी समझ, हमारी चेतना और हमारी संवेदना ही उसका मुख्य क्षेत्र हैं। जो इन पर नियंत्रण पा लेता है, वह बिना एक भी गोली चलाए जीत सकता है। और जो इनकी रक्षा नहीं कर पाता, वह बिना किसी औपचारिक पराजय के हार सकता है। शायद इसी कारण, आज सबसे बड़ी आवश्यकता किसी नई हथियार प्रणाली की नहीं बल्कि एक सजग दृष्टि की है। एक ऐसी दृष्टि जो सूचना और भ्रम के बीच अंतर कर सके, जो आकर्षण और प्रभाव के बीच भेद कर सके और जो अपने भीतर के संतुलन को बनाए रख सके। यह कोई आसान कार्य नहीं क्योंकि युद्ध अब बाहर से अधिक भीतर लड़ा जा रहा है।

यह कहना कि युद्ध अब सिर्फ युद्ध नहीं रहे, एक साधारण कथन नहीं बल्कि एक गहरी चिंता का संकेत है। यह उस समय की ओर इशारा करता है, जहाँ हिंसा ने अपने रूप बदल लिए हैं और हम अभी भी पुराने रूपों को पहचानने में व्यस्त हैं। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि युद्ध हमारे चारों ओर ही नहीं, हमारे भीतर भी चल रहा है, तब तक हम उसकी प्रकृति को नहीं समझ पाएँगे। और शायद, सबसे बड़ी चुनौती यही है—कि हम इस नए युद्ध को पहचानें, उसे समझें और उसके बीच अपनी मनुष्यता को बचाए रखें क्योंकि अंततः हर युद्ध का सबसे बड़ा दाँव यही होता है—मनुष्य का मनुष्य बने रहना।

समकालीन युद्धों का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इनमें स्पष्ट सीमाएँ धुंधली हो गई हैं। पहले युद्ध और शांति दो अलग अवस्थाएँ मानी जाती थीं पर अब दोनों के बीच की रेखा लगभग मिट चुकी है। रूस-यूक्रेन युद्ध में कई ऐसे क्षण आते हैं जब युद्ध औपचारिक रूप से सीमित दिखाई देता है लेकिन उसके प्रभाव वैश्विक स्तर पर फैल जाते हैं—ऊर्जा संकट, खाद्यान्न संकट और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अस्थिरता के रूप में। यह दिखाता है कि आधुनिक युद्ध किसी एक भूभाग तक सीमित नहीं रहते बल्कि पूरी दुनिया को अपनी परिधि में खींच लेते हैं।

इसी प्रकार ईरान- इजराइल अमेरिकी संघर्ष में प्रत्यक्ष युद्ध की अनुपस्थिति के बावजूद निरंतर तनाव बना रहता है। यहाँ युद्ध एक स्थायी स्थिति की तरह उपस्थित है—कभी साइबर हमलों के रूप में, कभी कूटनीतिक दबाव के रूप में और कभी अप्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाइयों के रूप में। इस प्रकार का संघर्ष यह संकेत देता है कि आधुनिक युद्ध अब घटना नहीं, बल्कि प्रक्रिया बन चुके हैं—धीरे-धीरे, निरंतर और कई स्तरों पर घटित होते हुए।

युद्ध अब सिर्फ शरीर नहीं, मन को भी घेरता है। भय, असुरक्षा और अविश्वास धीरे-धीरे मनुष्य की स्थायी अवस्था बन जाते हैं। रूस-यूक्रेन जैसे संघर्ष में लोग केवल बमों से नहीं, अनिश्चित भविष्य से टूटते हैं। लगातार आती खबरें, प्रचार और अफवाहें मन को विचलित करती हैं। ईरान-इजराइल अमेरिका संघर्ष में यह तनाव पीढ़ियों तक फैलता है, जहाँ भय स्मृति बन जाता है। परिणामतः व्यक्ति भीतर से थक जाता है, संवेदनाएँ कुंद हो जाती हैं और सामान्य जीवन भी एक अदृश्य दबाव के नीचे जीया जाता है।

इन युद्धों में सूचना का महत्व भी अत्यधिक बढ़ गया है। सूचना अब केवल समाचार नहीं रही बल्कि रणनीति का हिस्सा बन गई है। किस घटना को कैसे प्रस्तुत किया जाए, किस सत्य को प्रमुखता दी जाए और किसे छिपाया जाए—यह सब युद्ध की दिशा को प्रभावित करता है। इस संदर्भ में मीडिया, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म युद्ध के नए मैदान बन गए हैं। यहाँ विचारों की टकराहट उतनी ही तीव्र होती है, जितनी कभी सीमाओं पर हथियारों की हुआ करती थी। सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि इस बदलती हुई युद्ध-प्रकृति में मनुष्य कहाँ खड़ा है। वह अब केवल दर्शक नहीं रहा; वह एक सक्रिय भागीदार बन गया है। उसके विचार, उसकी पसंद, उसकी प्रतिक्रियाएँ—सब इस वैश्विक संघर्ष का हिस्सा बन जाती हैं। वह बिना जाने ही किसी पक्ष का समर्थन करने लगता है और इस प्रकार युद्ध उसके भीतर भी प्रवेश कर जाता है।

इन उदाहरणों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि आधुनिक युद्ध केवल बाहरी टकराव नहीं हैं बल्कि वे मनुष्य की चेतना, उसकी अर्थव्यवस्था और उसकी संस्कृति तक फैल चुके हैं। युद्ध अब एक समग्र अनुभव बन गया है, जो जीवन के प्रत्येक स्तर को प्रभावित करता है। इसलिए यह समझना आवश्यक है कि युद्ध को केवल हथियारों के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं; उसे उसके व्यापक, बहुआयामी रूप में पहचानना ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

(लेखक, प्रख्यात ललित निबंधकार हैं।)

आईपीएल 2026: लखनऊ ने दर्ज की पहली जीत, हैदराबाद को 5 विकेट से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 10वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 156 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने कप्तान ऋषभ पंत की नाबाद 68 रनों की शानदार पारी की बदौलत 19.5 ओवर में 5 विकेट खोकर 160 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। यह लखनऊ की इस सीजन की पहली जीत है, जबकि हैदराबाद को तीन मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ को मिचेल मार्श और एडेन मार्कर्म ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने शुरुआती चार ओवर में 33 रन जोड़े। मार्श 14 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मार्कर्म ने 27 गेंदों पर छह चौके और दो छक्कों की मदद से 45 रनों की आकर्षक पारी खेली। मध्यक्रम में आयुष बदोनी (12), निकोलस पूरन (1) और अब्दुल समद (16) जल्दी आउट हो गए, लेकिन दूसरे छोर पर पंत डटे रहे। उन्होंने 50 गेंदों में 9 चौकों की मदद से नाबाद 68 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। हैदराबाद की ओर से हर्ष दुबे ने दो विकेट लिए, जबकि ईशान मलिंगा और शिवांग कुमार को एक-एक विकेट मिला।

एमडीयू रोहतक बना चैंपियन, लवली यूनिवर्सिटी उपविजेता

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में आयोजित चार दिवसीय नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला खो-खो प्रतियोगिता में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक प्रथम रहा, जबकि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का समापन हुआ और भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बीआर शंकरानंद ने विजेताओं को पुरस्कार भेंट किए। इस प्रतियोगिता में 33 टीमों ने भाग लिया तथा चार दिनों में 47 मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए लीग मैचों के परिणामों के आधार पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक ने प्रथम स्थान, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने द्वितीय स्थान, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ ने तृतीय स्थान तथा मेजबान सीडीएलयू सिरसा की टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। खिलाडियों को संबोधित करते हुए शंकरानंद ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ निरंतर आगे बढने के लिए प्रेरित किया।

चिन्नास्वामी में स्विंग के सुल्तान का जलवा, भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में बनाया रिकॉर्ड

चिन्नास्वामी। भुवनेश्वर कुमार ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में एक विकेट लेकर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस विकेट के साथ ही उन्होंने आईपीएल इतिहास में 200 विकेट पूरे कर लिए। आईपीएल में भुवनेश्वर कुमार ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह अब टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे सफल तेज गेंदबाज बन गए हैं। भुवी आईपीएल में 200 विकेट पूरे करने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले कोई भी पेसर इस आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया था। इसके साथ ही वह आईपीएल इतिहास में 200 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज भी बन गए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड युजवेंद्र चहल के नाम है, जिन्होंने 176 मैचों में 224 विकेट लिए हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार अब 192 मैचों में 200 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सुनील नरेन हैं, जिनके नाम 191 मैचों में 193 विकेट हैं। चौथे स्थान पर पियूष चावला (192 विकेट) और पांचवें पर Ravichandran Ashwin (187 विकेट) काबिज हैं।

मोहसिन नकवी दिन में दिख रहे तारे, कहा- आईपीएल को पीछे छोड़ देगी पीएसएल

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने दावा किया है कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) तेजी से विकसित हो रही है। आने वाले समय में यह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को टक्कर देगी और दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग बन सकती है। नकवी ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब पीएसएल का 11वां सीजन अफगानिस्तान के साथ तनाव की वजह से सिर्फ दो वेन्यू पर खेला जा रहा है, जबकि आईपीएल का आयोजन बिना किसी भी रुकावट तय शेड्यूल के मुताबिक हो रहा है। पीसीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में नकवी ने कहा कि पीएसएल में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी इसकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और ग्रोथ को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पीएसएल अब निवेश के लिए सबसे आकर्षक मार्केट बन गया है। वह समय दूर नहीं जब पीएसएल दुनिया की नंबर वन लीग बन जाएगी। नकवी ने कहा कि पीएसएल 2026 के फ्रेंचाइजी से जुड़े प्रक्रिया में मजबूत भागीदारी पाकिस्तान के क्रिकेट इकोसिस्टम में भरोसे की बढ़ती स्थिति को दिखाती है। मोहसिन नकवी ने बेशक भविष्य में पीएसएल के आईपीएल के समकक्ष आने की संभावना जताई है, लेकिन वास्तविकता में पीएसएल और आईपीएल में कोई तुलना नहीं है। पीएसएल में वही खिलाड़ी शामिल होते हैं जिन्हें आईपीएल का कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलता, कई खिलाड़ी पीएसएल का मिला हुआ कॉन्ट्रैक्ट भी छोड़कर आईपीएल में आ जाते हैं।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026, राउंड 7: वैशाली की लगातार दूसरी जीत, प्रज्ञानानंद और दिव्या ने खेला ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के सातवें राउंड में भारत की ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने तान झोंगयी को हराकर सात राउंड में चार अंक हासिल कर लिए हैं और वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे आगे अन्ना मुजिचुक 4.5 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं। वैशाली और झोंगयी के बीच मुकाबला मध्य खेल तक ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, लेकिन 36 से 38वीं चाल के दौरान झोंगयी की गलतियों (Rc6, Kg7, Ra1) का वैशाली ने पूरा फायदा उठाया। 38वीं चाल में ऋ×द्ध6 खेलकर वैशाली ने एक प्यादा जीता और काले राजा की ओर रास्ता खोल दिया। इसके बाद K&f6 चाल ने झोंगयी के राजा को और कमजोर कर दिया, जिसका फायदा उठाते हुए

वैशाली ने शानदार तालमेल के साथ जीत दर्ज की।

वहीं, भारत की दिव्या देशमुख को कैटेरीना लाग्नो के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। मुकाबले के दौरान दिव्या ने बेहतर स्थिति हासिल कर ली थी और रूक एंडगेम में जीत की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन लगातार रूक चेक (Rd8-Rd7+-Rd8) दोहराने से लाग्नो को वापसी का मौका मिल गया। बाद में स्थिति संतुलित हो गई और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अन्य मुकाबलों में अन्ना मुजिचुक ने बिबिसारा असाउबायेवा के साथ ड्रॉ खेलकर अपनी बढ़त कायम रखी, जबकि झू जिनेर और अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना के बीच भी मुकाबला ड्रॉ रहा।

ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंद ने फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत की कोशिश की, लेकिन अंततः मुकाबला तीन बार एक जैसी स्थिति (थ्रीफोल्ड रिपिटिशन) के चलते ड्रॉ रहा।

अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा और मैथियास ब्लूबाम के बीच ड्रॉ हुआ। अनिश गिरी ने जावोखिर सिंदारोव की जीत की लय को रोकते हुए मुकाबला ड्रॉ कराया। हालांकि सिंदारोव 7 राउंड में 6 अंकों के साथ ओपन वर्ग में शीर्ष पर बने हुए हैं। इसके अलावा, चीन के वेई यी ने आंद्रेई एसिपेंको को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

एफए कप 2026 सेमीफाइनल: मैन सिटी का सामना साउथेम्प्टन से, लीड्स यूनाइटेड से भिड़ेगी चेल्सी

एजेंसी

नई दिल्ली। एफए कप 2025-26 के सेमीफाइनल मुकाबलों का ऐलान हो गया है। पहले सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी का सामना साउथेम्प्टन से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में चेल्सी की टक्कर लीड्स यूनाइटेड से होगी। ये दोनों मुकाबले 25 और 26 अप्रैल के वीकेंड पर खेले जाएंगे। दोनों सेमीफाइनल मैच वेम्बली स्टेडियम में आयोजित होंगे। क्वार्टरफाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को 4-0 से हराकर शानदार अंदाज में अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं चेल्सी ने लीग वन की टीम पोर्ट वेले को 7-0 से करारी शिकस्त दी। क्वार्टरफाइनल का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब साउथेम्प्टन ने आर्सेनल को 2-1 से हराकर सबको चौंका दिया।

वहीं, लीड्स यूनाइटेड ने वेस्ट हैम यूनाइटेड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर 39 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सेमीफाइनल मुकाबलों का शेड्यूल:

चेल्सी बनाम लीड्स यूनाइटेड – 25 अप्रैल।

साउथेम्प्टन बनाम मैनचेस्टर सिटी – 26 अप्रैल।

70 रन से जीती सैंट पॉल क्रिकेट अकैडमी

एजेंसी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के मैदान पर आयोजित अवस्थी मैमोरियल टी 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रुक्मणी क्रिकेट अकैडमी और सैंट पॉल क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया। जिसमें सैंट पॉल क्रिकेट अकैडमी ने 70 रन से जीत हासिल की।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के डायरेक्टर व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि सैंट पॉल क्रिकेट अकैडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 233 रन बनाए। टीम के लिए रणजी खिलाड़ी आर्यन जुएल ने शानदार बल्लेबाजी का मुजायरा पेश किया और टीम के लिए ताबड़तोड़ 48 बॉल पर 88, यश व्यास ने ने भी ताबड़तोड़ 39 बॉल पर 75 व रणजी खिलाड़ी शिवम शर्मा ने भी नाबाद 5 बॉल पर ताबड़तोड़ 22 रन बनाए। रुक्मणी क्रिकेट अकैडमी के लिए ग़ेंदबाज़ी में फ़ैज़ मोहम्मद ने 3 व कामरान ख़ान और मोहम्मद उस्मान ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रुक्मणी क्रिकेट अकैडमी 17.4 ओवर में 162 रन बनाकर

ऑल आउट हो गई। टीम के लिए उवैस अहमद ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 21 बॉल पर 44, व मौहम्मद नईम सैफ़ी ने 27 रन बनाए।

सैंट पॉल क्रिकेट अकैडमी के लिए गेंदवाजी में विवेक यादव ने 3, व शुभ मिश्रा और शिवम शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। यह मुक़ाबला सैंट पॉल क्रिकेट अकैडमी ने 70 रन से जीत लिया ।

फाइनल मैच के मुख्य अतिथि नगर विधायक रितेश गुप्ता और आईएफटीएम यूनिवर्सिटी के चांसलर राजीव कोटीवाल रहे और विजेता टीम को ट्रॉफी व पचास हज़ार रुपये की नक़द राशि और उपविजेत टीम को ट्रॉफी व तीस हज़ार रुपये की नक़द राशि प्रदान की।

कानपुर : पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 300 खिलाड़ियों ने दिखाया दम : सौरभ गौड़

एजेंसी

कानपुर। पावरलिफ्टिंग को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता युवाओं के लिए प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच बन रही है। 'जिला स्तर पर जीत हासिल करने वाले खिलाड़ी राज्य और फिर नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेंगे और उन्हें आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिलेगा,' यह बातें संस्था के सचिव सौरभ गौड़ ने कही। कानपुर पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित कानपुर मंडलीय पावरलिफ्टिंग, ओपन बेंच प्रेस एवं द्वितीय इंटर स्कूल बेंच प्रेस चैंपियनशिप (पुरुष/महिला) का आयोजन सेठ मोतीलाल खेड़िया सनातन धर्म इंटर कॉलेज, विष्णुपुरी नवाबगंज में किया गया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन ओपन डेडलिफ्ट चैंपियनशिप का भव्य उद्घाटन उत्तर प्रदेश पावरलिफ्टिंग

एसोसिएशन के सचिव राहुल शुक्ला, कानपुर पावरलिफ्टिंग संघ के सचिव सौरभ गौड़ समेत अन्य लोगों की उपस्थिति में हुआ।

इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में करीब 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भेजा जाएगा, जहां से चयनित खिलाड़ी उदयपुर में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगे। प्रतिभागी दृश्मा पटेल ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं हमें खुद को साबित करने का मौका देती हैं। यहां अच्छा प्रदर्शन करने से आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है और हम अपने लक्ष्य के और करीब पहुंचते हैं।

आईपीएल: चिन्नास्वामी में आरसीबी का तूफान, सीएसके पर 43 रन से शानदार जीत

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के 11वें मुकाबले में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने दमदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 43 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस हार के साथ सीएसके को लगातार तीसरी पराजय का सामना करना पड़ा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी की शुरुआत धीमी रही, लेकिन बाद के ओवरों में टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 20 ओवर में 250 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की पारी में कुल 19 छक्के और 14 चौके लगे, जिससे दर्शकों का भरपूर मनोरंजन हुआ। शुरुआती चरण में विराट कोहली (28) और फिल साल्ट (46) ने टीम को मजबूत आधार दिया। इसके बाद शानदार फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल (50) ने लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ते हुए

पारी को गति दी। अंतिम ओवरों में कप्तान रजत पाटीदार और टिम डेविड (25 गेंदों में 70 रन) ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए आखिरी पांच ओवर में 97 रन जोड़कर स्कोर 250 तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत खराब रही। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (7) और संजू सैमसन (9) जल्दी आउट हो गए। टीम ने 30 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए थे। इस दौरान सरफराज खान (50) ने कुछ संघर्ष जरूर किया। मध्यक्रम में कृणाल पांड्या ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर मैच को पूरी तरह आरसीबी की ओर मोड़ दिया। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने 3 अहम विकेट लेकर सीएसके की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अंत में प्रशांत वीर (43) और जेमी ओवरटन (37) ने संघर्ष किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

सीएसके की पूरी टीम 19.4 ओवर में 207 रन पर ऑलआउट हो गई। आरसीबी की ओर से भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए, जबकि लुकी डफी, कृणाल पांड्या और अभिनंदन सिंह ने 2-2 विकेट झटके। इस जीत के साथ आरसीबी ने अपने घरेलू मैदान पर लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली है और सीजन में मजबूत शुरुआत की है

ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप से पहले तैयारी तेज

एजेंसी

रांची। सिकोकई ऑल इंडिया ओपन कराटे थर्ड चैंपियनशिप का आयोजन रांची में आगामी एक मई 2026 से खेलगांव में आयोजित होगी। जिसे लेकर राज्य के कराटे खिलाड़ियों की तैयारी शुरू कर दी गई है। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के तत्वावधान में रांची प्रेस क्लब में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खिलाड़ियों को एडवांस फाइटिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का नेतृत्व एकेडमी के तकनीकी निदेशक रेंशी सुनील किस्पोट्टा ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को वर्ल्ड कराटे फेडरेशन के नियमों की भी विस्तृत जानकारी दी, ताकि प्रतियोगिता के दौरान बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। रेंशी सुनील किस्पोट्टा ने बताया कि इस चैंपियनशिप में देशभर से सैकड़ों खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी शामिल होंगे। ऐसे में राज्य के खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगातार अभ्यास और

तकनीकी प्रशिक्षण से खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार होगा। शिविर के सफल आयोजन में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के अध्यक्ष अनिल के सपोर्टर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस दौरान कई लोग मौजूद थे।

अंतर विश्वविद्यालयी ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट: डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ जीती

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के एमफी थियेटर मैदान में रविवार से दो दिवसीय दिव्य दृष्टि ट्राफी अंतर विश्वविद्यालयी ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज हुआ।

प्रतियोगिता में बीएचयू एवं डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के बीच पहला मैच खेला गया। पुनर्वास विश्वविद्यालय ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में 176 रन बनाए । टीम की ओर से रानू ने 5 चौके की मदद से सर्वाधिक 56 रन बनाए। काशी हिंदू विश्वविद्यालय की ओर से बॉलिंग करते हुए राजन ने 2 विकेट लिए। जवाब में खेलते हुए बीएचयू की टीम

मात्र 70 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बीएचयू टीम से पंकज ने सर्वाधिक 07 रन बनाए। पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ की ओर से आलम ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच पुनर्वास विश्वविद्यालय के रानू को दिया गया। मैच में अमूल्य उपाध्याय एवं आशीष सेठ ने कमेंट्री प्रस्तुत किया।

इसके पूर्व टूर्नामेंट का शुभारम्भ समाजसेवी केशव जालान ने किया। इस अवसर पर केशव जालान ने कहा कि ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन दिव्यांगजनों की सशक्तिकरण का माध्यम बनेगा । इस तरह के आयोजन में समाज की सहभागिता आवश्यक है। उद्घाटन के अवसर पर भाजपा नेता अशोक चौरसिया, एआईडीसीए की उपाध्यक्ष कमलजीत कौर गिल, ऑल इंडिया दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ उत्तम ओझा,महामंत्री डॉ संजय चौरसिया, मदन मोहन वर्मा,डॉ मनोज तिवारी आदि मौजूद रहे।

सब-जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में पंजाब, यूपी और मध्य प्रदेश की दमदार जीत

एजेंसी

रांची। 16वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 के पांचवें दिन डिवीजन 'ए' और 'बी' के मुकाबलों में कई टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की। डिवीजन 'ए' के पूल ए में हॉकी पंजाब ने हॉकी महाराष्ट्र को 2-0 से हराया। पंजाब के लिए संगत सिंह और आकाश दीप ने गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। पूल बी में मेजबान हॉकी झारखंड ने दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी टीम को 1-0 से मात दी। इस मुकाबले का एकमात्र गोल आशीष तानी पुर्ति ने किया। पूल सी में हॉकी मध्य प्रदेश ने मणिपुर हॉकी को 17-1 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले में शाहरुख अली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई गोल दागे, जबकि नितीश यादव ने भी अहम योगदान दिया।

वहीं, पूल डी में उत्तर प्रदेश हॉकी ने केरल हॉकी को 10-1 से हराकर अपनी ताकत दिखाई। टीम के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। डिवीजन 'बी' के मुकाबलों में भी टीमों ने दमखम दिखाया। पूल ए में हॉकी बंगाल ने हॉकी गुजरात को 18-0 से हराकर टूर्नामेंट की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज की। इस मैच में मुन्ना कुमार सिंह ने शानदार खेल दिखाते हुए कई गोल किए, जबकि

सुजल टूरी और सुजल बाल्मीकि ने हैट्रिक लगाई। पूल बी में हॉकी अरुणाचल ने छत्तीसगढ़ हॉकी को 5-3 से हराया। राजभर शुभम ने हैट्रिक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट के इन मुकाबलों में कई खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत रूप से बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे आने वाले मैचों के लिए प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक हो गई है।

सचिवालय सुपर लीग में सचिवालय विंग और सुपर किंग्स ने दर्ज की जीत

एजेंसी

देहरादून। देहरादून के रायपुर स्थित महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में सचिवालय सुपर लीग 2026 के दो मैच खेले गए। पहले मैच में सचिवालय विंग्स और दूसरे मैच में सचिवालय सुपर किंग्स ने जीत दर्ज की। सचिवालय विंग्स और सचिवालय लायंस के बीच खेले गए मैच में विंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 06 विकेट पर कुल 180 रन बनाए। देवेंद्र सिंह रावल ने 75 रन बनाए। मदन और प्रमोद ने 02-02 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए लायंस 4 विकेट पर 161 रन ही बना सकी। मदन ने सर्वाधिक 66 रन बनाए। संजय जोशी ने 02 विकेट लिए। इस तरह सचिवालय विंग्स ने यह मैच 19 रन से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच देवेंद्र रावल को दिया गया। दिन का दूसरा मैच सचिवालय सुपर किंग्स और सचिवालय राइजिंग के बीच खेला गया। सचिवालय राइजिंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 84 रन बनाए, अमित सतवाल ने सर्वाधिक 28 रन बनाए। नरेश ने 06 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर किंग्स की टीम ने 10 ओवर में 05 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। अमित तोमर ने सर्वाधिक 48 रन बनाए। राकेश जोशी ने 05 विकेट लिए।

ग्रेनाडा में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए जुटे दुनिया भर के निशानेबाज, भारतीय टीम से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) के राइफल/पिस्टल वर्ल्ड कप के सत्र की शुरुआत स्पेन के ग्रेनाडा में होने जा रही है, जहां दुनिया भर के शीर्ष निशानेबाज अपनी चुनौती पेश करने के लिए पहुंच चुके हैं। यह प्रतियोगिता 07 अप्रैल से लास गाबियास शूटिंग रेंज पर शुरू होगी और 12 अप्रैल तक चलेगी। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 51 देशों के 434 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 10 ओलंपिक स्पर्धाएं शामिल हैं। भारत ने भी 24 सदस्यीय मजबूत टीम उतारी है, जो विभिन्न स्पर्धाओं में पदक के लिए दावेदारी पेश करेगी। प्रतियोगिता के पहले दिन दो मिश्रित टीम फाइनल खेले जाएंगे, जबकि समापन पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन और महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल के साथ होगा।

भारतीय टीम में कई अनुभवी और उभरते निशानेबाज शामिल हैं। एशियाई खेलों की चैंपियन पलक 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में मुकेश नेलावली के साथ उतरेंगी। वहीं सैयम और उज्ज्वल मलिक भी इसी स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एयर राइफल मिश्रित टीम में सोनम उत्तम मस्कर-गजानन शाहदेव खंडागले और श्रुति-अर्शदीप सिंह की

जोड़ियां मैदान में होंगी।

टीम में विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंजुम मौदगिल, मेहुली घोष और अखिल श्योरन जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि सिमरनप्रीत कौर बरार, रिदम सांगवान और विजयवीर सिद्धू जैसे निशानेबाज टीम को मजबूती देंगे। चयन नीति के तहत चौथे से छठे स्थान पर रहे खिलाड़ियों को मौका दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद भारतीय टीम को मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

इस प्रतियोगिता में चीन, जर्मनी, इटली, फ्रांस और अमेरिका जैसे शूटिंग के दिग्गज देशों की भी बड़ी भागीदारी है। चीन ने 22 सदस्यीय दल भेजा है, जिसमें उसके तीन मौजूदा ओलंपिक चैंपियन शामिल हैं। ग्रेनाडा वर्ल्ड कप कई खिलाड़ियों के लिए इस साल के अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत है। इसके साथ यह टूर्नामेंट साल के अंत में दोहा में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारियों के लिहाज से भी बेहद अहम माना जा रहा है।

भारतीय टीम के लिए यह प्रतियोगिता अपनी बेंच स्ट्रेंथ परखने और आगामी बड़े टूर्नामेंट्स के लिए संयोजन तैयार करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकती है।

टॉप 10 में शामिल 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 64 लाख करोड़ की गिरावट, भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल छह कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि चार कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में तक के कारोबार के बाद 64 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल को हुआ, जबकि नुकसान उठाने के मामले में आईसीआईसीआई बैंक दूसरे स्थान पर रहा। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची चार कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ, जबकि इंफोसिस मुनाफा कमाने के मामले में दूसरे स्थान पर रही। इस सप्ताह के कारोबार के बाद भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के मार्केट कैप में 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, लार्सन एंड टूब्रो और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 44,828.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

अगले सप्ताह लॉन्च होंगे 2 नए आईपीओ, सिर्फ एक कंपनी करेगी शेयरों की लिस्टिंग

नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सिर्फ दो कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से कोई भी आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का नहीं है। एक आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है, जबकि दूसरा आईपीओ रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का है। इस सप्ताह सिर्फ एक कंपनी स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली है। इस कंपनी का आईपीओ भी एसएमई सेगमेंट का है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन छह अप्रैल को सेफ्टी कंट्रोल एंड डिवाइसेज का 48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में आठ अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 75 रुपये से लेकर 80 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 13 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी तरह सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन दस अप्रैल को प्रॉपशेयर सेलेस्टिया का 244.65 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हो रहा है। इस इश्यू में 16 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 10 लाख रुपये से लेकर 10.50 लाख रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ के तहत कुल 2,330 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट और बढ़ती लागत से टेलीविजन उद्योग पर छाया संकट

नई दिल्ली। टेलीविजन उद्योग इन दिनों दोहरी मार झेल रहा है, जहां एक ओर पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव ने समुद्री ढुलाई (फ्रेट) को महंगा कर दिया है, वहीं दूसरी ओर रैम और प्लास्टिक जैसे कच्चे माल की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल आया है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने इस संकट को और गहरा कर दिया है, जिससे घरेलू स्तर पर टीवी का उत्पादन काफी महंगा हो गया है। सुपर प्लास्ट्रोनिक्स (SPPL) के सीईओ अवनीत सिंह मारवाह के अनुसार, पिछले छह महीनों में कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप 9,000 रुपये में मिलने वाला 32 इंच का बेसिक टीवी अब 11,000 रुपये के पार पहुँच गया है।बढ़ती कीमतों का सीधा असर अब ग्राहकों की पसंद और उनके बजट पर दिखने लगा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जो ग्राहक पहले 55 इंच का बड़ा टेलीविजन खरीदने की योजना बना रहे थे, वे अब बजट बिगड़ने के डर से 50 इंच के मॉडल की ओर रुख कर रहे हैं। इसी तरह, प्रीमियम सेगमेंट में भी 65 इंच की जगह 55 इंच के टीवी की मांग बढ़ गई है। हालांकि बड़ी कंपनियों ने अभी तक लागत का पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला है और बाजार में अपनी हिस्सेदारी बचाने के लिए कुछ नुकसान खुद वहन कर रही हैं, लेकिन इसके बावजूद मध्यम वर्ग के उपभोक्ता अपनी खरीदारी टाल रहे हैं।

सेवा क्षेत्र में मार्च में बरकरार रही तेजी

मुंबई। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद इस साल मार्च में सेवा क्षेत्र की तेजी बरकरार रही। एचएसबीसी द्वारा सोमवार को जारी भारत सेवा खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) रिपोर्ट में बताया गया है कि मार्च में एक ओर जहां नये कारोबार और सेवा गतिविधियों के विस्तार की गति जनवरी 2025 के बाद के निचले स्तर पर दर्ज की गयी, वहीं दूसरी ओर विदेशों से मिले ऑर्डर में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी तेजी रही।मार्च में सेवा क्षेत्र का पीएमआई 57.5 दर्ज किया गया, जो फरवरी के 58.1 से कम है। लगातार दूसरे महीने गिरने के बावजूद यह मजबूत विस्तार दिखाता है। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में वृद्धि और इससे कम रहना गिरावट दिखाता है। वहीं, 50 स्थिरता दर्शाता है। भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मार्च में मांग मजबूत बनी रही, जिसमें विदेशों से मिले नये ऑर्डरों में साल 2024 के मध्य के बाद की सबसे बड़ी तेजी का बड़ा योगदान रहा।

स्क्रैम्बलर सेगमेंट में नई मोटरसाइकिल लाने की तैयारी में क्लासिक लीजेंड्स, प्रीमियम पोर्टफोलियो को मिलेगा विस्तार

एजेंसी
रायसेन। देश में प्रीमियम मोटरसाइकिल बाजार में अपनी अलग पहचान बना चुकी Classic Legends अब अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। कंपनी आने वाले समय में स्क्रैम्बलर श्रेणी में नई मोटरसाइकिल लॉन्च करने की योजना पर काम कर रही है। यह कदम कंपनी की विकास रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत वह बदलती उपभोक्ता मांग और बाजार की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने उत्पादों की श्रृंखला को लगातार विस्तार दे रही है। प्रीमियम ब्रांड्स के साथ मजबूत पहचान Mahindra Group की सहयोगी कंपनी क्लासिक लीजेंड्स पहले से ही Jawa, Yezdi और BSA जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ बाजार में सक्रिय है। इन ब्रांड्स की विरासत और आधुनिक तकनीक के संयोजन ने कंपनी को युवाओं और

मोटरसाइकिल प्रेमियों के बीच खास पहचान दिलाई है। अब स्क्रैम्बलर श्रेणी में प्रवेश कर कंपनी इस पहचान को और व्यापक बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।स्क्रैम्बलर मोटरसाइकिल को ऐसे डिज़ाइन किया जाता है, जो सामान्य सड़कों के साथ-साथ खराब और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी आसानी से चल सके। यही वजह है कि इसे बहुउपयोगी मोटरसाइकिल माना जाता है। इस श्रेणी की मोटरसाइकिल उन उपभोक्ताओं को आकर्षित करती है, जो साहसिक यात्रा और अलग तरह के अनुभव की तलाश में रहते हैं। देश में इस श्रेणी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, जिसे देखते हुए क्लासिक लीजेंड्स ने इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का फैसला किया है। कंपनी की बाजार में बढ़ती पकड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हाल ही में यह बिक्री के आधार पर देश की शीर्ष दस दोपहिया वाहन निर्माताओं में शामिल हो चुकी है। यह उपलब्धि कंपनी के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है और इसी उत्साह के साथ वह नए उत्पादों पर तेजी से काम कर रही है। स्क्रैम्बलर श्रेणी में नई मोटरसाइकिल पेश करने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए कंपनी अपने ग्राहकों को और अधिक विकल्प उपलब्ध कराना चाहती है। कंपनी के सह-संस्थापक Anupam Thareja ने इस योजना को लेकर संकेत देते हुए कहा कि कंपनी को पिछले वर्ष ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और वह अपने पारंपरिक स्वरूप को बनाए रखते हुए नए उत्पादों के माध्यम से पोर्टफोलियो को मजबूत करती रहेगी। उनका मानना है कि मोटरसाइकिल केवल एक वाहन नहीं होती, बल्कि यह ग्राहकों की भावनाओं से जुड़ी होती है। इसी कारण कंपनी अपने हर उत्पाद में ग्राहकों की पसंद और भावनात्मक जुड़ाव को विशेष महत्व देती है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी, अप्रैल के पहले दो दिन में ही बेचे 19,837 करोड़ से अधिक के शेयर

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मार्च की तरह ही अप्रैल के महीने में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला जारी है। अप्रैल के पहले दो कारोबारी दिन में ही यानी पिछले सप्ताह एक और दो अप्रैल को ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इक्विटी मार्केट में 19,837 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। अप्रैल के महीने में पिछले सप्ताह सिर्फ दो दिन ही कारोबार हो सका था, क्योंकि तीन अप्रैल यानी गुड फ्राइडे की वजह से शेयर बाजार में छुट्टी थी। इसके पहले मार्च के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इक्विटी मार्केट में 1.17 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री की थी।पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण वैश्विक स्तर पर बने तनाव के माहौल की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक दुनिया भर के शेयर बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा सुरक्षित निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं। भारतीय बाजार में भी विदेशी निवेशक इसी वजह से जम कर बिकवाली कर रहे हैं।

मार्च के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्टूबर 2024 में एक महीने में सबसे अधिक बिक्री करने के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। अक्टूबर 2024 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 94,017 करोड़ रुपये की बिकवाली कर एक महीने में सबसे अधिक बिक्री का रिकॉर्ड बनाया था। इस रिकार्ड को मार्च के महीने में विदेशी निवेशकों ने 1.17 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली कर तोड़ दिया। मार्च के पहले फरवरी 2026 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयर बाजार में खरीदारी का दम दिखाया था। इस महीने विदेशी निवेशकों ने इक्विटी मार्केट से 22,615 करोड़ रुपये के शेयर की खरीदारी की थी।

सबसे किफायती और सबसे सुरक्षित सीएनजी कार बनी टाटा पंच

एजेंसी
नई दिल्ली। देश में परिवार के लिए सुरक्षित और किफायती चार पहिया वाहन की तलाश करने वालों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अब ऐसी सीएनजी कार भी उपलब्ध है, जो न केवल कीमत के मामले में किफायती है बल्कि सुरक्षा के पैमाने पर भी बेहद मजबूत साबित हुई है। हम बात कर रहे हैं Tata Punch की, जिसने हाल ही में सुरक्षा परीक्षण में उच्चतम रेटिंग प्राप्त हुई है। यह कार उन उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरी है, जो कम बजट में अपने परिवार की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करना चाहते।

Tata Motors की यह लोकप्रिय कार सीएनजी विकल्प के साथ भी उपलब्ध है, जिसकी शुरुआती कीमत लगभग 6.75 लाख रुपये से शुरू होती है। राजधानी क्षेत्र में इसका सड़क पर उतरने वाला मूल्य करीब 7.70 लाख रुपये के आसपास पहुंचता है। वहीं इसके उच्च संस्करण की कीमत लगभग 9.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है, जो सड़क पर लगभग 10.44 लाख रुपये के करीब पड़ती है। इस कीमत श्रेणी में इतनी मजबूत सुरक्षा देने वाली कार का मिलना उपभोक्ताओं के लिए बड़ा आकर्षण बन गया है। Bharat NCAP द्वारा किए गए सुरक्षा परीक्षण में टाटा पंच को पूरे 5 स्टार की रेटिंग दी गई है। यह उपलब्धि इसे देश की सबसे सुरक्षित किफायती सीएनजी कारों में शामिल करती है। खास बात यह है कि यह कार वयस्कों के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा के लिए भी समान रूप से उच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है। कंपनी ने अपने हर संस्करण में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 6 एयरबैग्स जैसे महत्वपूर्ण फीचर्स को शामिल किया है, जो इस सेगमेंट में इसे अलग पहचान देते हैं। इस कार की मजबूती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुरक्षा परीक्षण के दौरान इसकी टक्कर एक भारी वाहन से कराई गई। इस भीषण टक्कर के बाद भी गाड़ी का मुख्य केबिन हिस्सा सुरक्षित बना रहा और यात्रियों के बैठने वाले हिस्से में कोई गंभीर क्षति नहीं हुई। परीक्षण में उपयोग किए गए डमी पूरी तरह सुरक्षित पाए गए, जो इस कार की संरचना और सुरक्षा तकनीक की मजबूती को दर्शाता है।

टाटा पंच के उच्च संस्करणों में आधुनिक सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इसमें चारों ओर देखने वाला कैमरा, ब्लाइंड व्यू मॉनिटर, इलेक्ट्रॉनिक स्थिरता नियंत्रण, ट्रैक्शन नियंत्रण और टायर दबाव निगरानी प्रणाली जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सेफ्टी कंट्रोल्स का आईपीओ, 13 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी
नई दिल्ली। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेज का 48 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 13 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 75 रुपये से लेकर 80 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। सेफ्टी कंट्रोल्स के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस

आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 60 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं।इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 48.88 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.96 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सौभाग्य कैपिटल ऑप्शंस प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

देश के बंदरगाहों ने रचा इतिहास, 915.17 मिलियन टन कार्गो हैंडलिंग के साथ निर्धारित लक्ष्य को किया पार

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के बंदरगाहों ने वित्त वर्ष 2025-26 में 915.17 मिलियन टन कार्गो का आदान-प्रदान कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पिछले वर्ष के 854.86 मिलियन टन के मुकाबले 7.06 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित 904 मिलियन टन के लक्ष्य को भी पार कर लिया गया है।

यह उपलब्धि बंदरगाहों की बढ़ती क्षमता, परिचालन दक्षता, बेहतर लॉजिस्टिक्स और आधुनिक बुनियादी ढांचे का परिणाम मानी जा रही है। इससे भारत के समुद्री क्षेत्र की मजबूती और वैश्विक व्यापार में उसकी बढ़ती भूमिका स्पष्ट होती है।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार, यह वृद्धि सरकार की पोर्ट-आधारित विकास नीति, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और डिजिटल पहलों के कारण संभव हुई है। मंत्रालय ने बताया कि कार्गो हैंडलिंग क्षमता में सुधार और आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल से बंदरगाहों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस उपलब्धि को सरकार के निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में

India's Major Ports
Register Impressive Traffic Surge
Traffic Handled at Major Ports
(During 2025-26* VIS-A-VIS 2024-25)
(*) TENTATIVE (IN '000 TONNES)

PORTS	APRIL TO MARCH TRAFFIC 2026*	APRIL TO MARCH TRAFFIC 2025	% VARIATION AGAINST PREV. YEAR TRAFFIC
1	2	3	4
KOLKATA			
Kolkata Dock System	19017	16541	14.28
Haldia Dock Complex	51856	47310	9.61
TOTAL: KOLKATA	70872	63951	10.82
PARADIP	158451	150408	4.02
VISAKHAPATNAM	91166	82623	10.34
KAMARAJAR (ENNORE)	49081	48407	1.39
CHENNAI	57902	54961	5.35
V.O. CHIDAMBARANAR	43310	41724	3.80
COCHIN	38063	37745	0.84
NEW MANGALORE	50049	46014	8.77
MORMUGAO	21009	18126	15.91
MUMBAI	75147	68625	9.50
JNPA	102008	92115	10.74
DEENDAYAL	160110	150157	6.63
TOTAL	915168	854856	7.06

व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दीनदयाल उपाध्याय बंदरगाह 160.11 मिलियन टन कार्गो के साथ शीर्ष स्थान पर रहा। इसके बाद पारादीप बंदरगाह (156.45 मिलियन टन) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (102.01 मिलियन टन) का स्थान रहा।अन्य प्रमुख बंदरगाहों में विशाखापट्टनम बंदरगाह (91.16 मिलियन टन), मुंबई बंदरगाह (75.14 मिलियन टन), चेन्नई बंदरगाह (57.90 मिलियन टन) और न्यू मंगलौर बंदरगाह (50.04 मिलियन टन) शामिल हैं। कोलकाता बंदरगाह का कुल कार्गो 70.87 मिलियन टन रहा, जिसमें कोलकाता डॉक सिस्टम (19.01 मिलियन टन) और हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (51.85 मिलियन टन) शामिल हैं। इसके अलावा कामराजर बंदरगाह (49.08 मिलियन टन), वीओ चिदंबरनार बंदरगाह (43.31 मिलियन टन) और कोचीन बंदरगाह (38.06 मिलियन टन) का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। वृद्धि दर के लिहाज से मोरमुगाओ बंदरगाह ने 15.91 प्रतिशत की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा कोलकाता डॉक सिस्टम (14.28 प्रतिशत), जेएनपीए (10.74 प्रतिशत), विशाखापट्टनम (10.34 प्रतिशत) और मुंबई बंदरगाह (9.50 प्रतिशत) में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। मंत्रालय के अनुसार, यह वृद्धि कोयला, कच्चा तेल, कंटेनर, उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती मांग, बेहतर कनेक्टिविटी और डिजिटल सुधारों के कारण संभव हो पाई है।

पश्चिम एशिया से एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की 30 उड़ानें

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस दोनों मिलकर आज इस क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 30 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी। वहीं, इंडिगो की चुनिंदा सेवाएं जारी रहेंगी।

एयर इंडिया ने सोमवार को एक्स पर जारी बयान में बताया कि पश्चिम एशिया के लिए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस समूह मिलकर 06 अप्रैल को पश्चिम एशिया क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 30 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों को संचालित करेगा। एयरलाइन ने बताया कि इन 30 उड़ानों में से 10 उड़ानें संयुक्त अरब अमीरात आने-जाने वाली नॉन-शेड्यूल्ड सेवाएं होंगी; पिछले दिनों की तुलना में एड-हॉक ऑपरेशंस में यह और भी बड़ी गिरावट है। इन उड़ानों का संचालन स्लॉट की उपलब्धता और भारत तथा यूएई के अधिकारियों से मिलने वाली रेगुलेटरी मंजूरी के अधीन होगा।

कंपनी के मुताबिक दुबई, अबू धाबी और शारजाह के लिए एड-हॉक उड़ानों के जरिए सेवा जारी रहेगी। एयर इंडिया दिल्ली-दुबई सेवा का संचालन करेगी, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस मंगलौर को दुबई से जोड़ेगी। अबू धाबी के लिए दिल्ली से एयर इंडिया एक्सप्रेस की सीमित सेवा उपलब्ध होगी, और शारजाह को अमृतसर और कन्नूर से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा ओमान में मस्कट रूट पर तय ऑपरेशन जारी रहेंगे, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस दिल्ली, कन्नूर, मुंबई और तिरुवनंतपुरम से उड़ानें संचालित करेगी। सलालाह में सेवाएँ अभी भी निलंबित हैं। वहीं, इंडिगो एयरलाइन भी अपनी चुनिंदा सेवाएं जारी रखेगा, कंपनी ने कहा इस क्षेत्र में बदलती परिस्थितियों के बीच एयरलाइंस अपना परिचालन संभाल रही हैं।

बांग्लादेश: ईरान संघर्ष का असर, ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ीं

एजेंसी
नई दिल्ली। ईरान संघर्ष का असर बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर भी दिखने लगा है। द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईंधन, उर्वरक, माल ढुलाई और विदेशी मुद्रा जैसे अहम क्षेत्रों पर दबाव बढ़ रहा है। भले ही बांग्लादेश इस संघर्ष क्षेत्र से भौगोलिक रूप से दूर है, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहरे जुड़ाव के कारण इसका असर तेजी से महसूस हो रहा है। इस व्यवधान का सबसे बड़ा कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज है, जहां से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और एलएनजी गुजरता है। इस मार्ग में किसी भी तरह की बाधा ऊर्जा आपूर्ति, शिपिंग और उर्वरक की उपलब्धता को प्रभावित करती है, जो कृषि के लिए बेहद जरूरी है। वैश्विक बाजार में इसका असर दिखने लगा है। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है, एलएनजी की आपूर्ति

में देरी हो रही है और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। उर्वरकों की कीमतों में भी उछाल देखा जा रहा है, जिससे खाद्य उत्पादन पर खतरा मंडरा रहा है। बांग्लादेश के लिए ये सभी झटके एक साथ आ रहे हैं। ऊर्जा की बढ़ती लागत बिजली और परिवहन की कीमतों को ऊपर ले जा रही है, जबकि महंगे उर्वरक कृषि लागत को बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही माल ढुलाई महंगी होने से आयात लागत में भी इजाफा हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि समस्या सिर्फ कीमतों में वृद्धि की नहीं है, बल्कि इन जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता भी चिंता का विषय बनती जा रही है। ईंधन, उर्वरक या शिपिंग में किसी भी तरह की कमी अर्थव्यवस्था को कीमतों से भी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है। आयात महंगा हो रहा है, इससे निर्यात और प्रवासी आय (रेमिटेंस) पर भी दबाव पड़ सकता है, खासकर अगर खाड़ी देशों के श्रम बाजार कमजोर होते हैं। सरकार पर वित्तीय दबाव भी बढ़ रहा है। वैश्विक ईंधन कीमतों का पूरा असर जनता तक न पहुंचे, इसके लिए सब्सिडी दी जा रही है, जिससे सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ रहा है। वहीं, कमजोर कर संग्रह के कारण अतिरिक्त राहत देने की गुंजाइश सीमित हो रही है। ऊर्जा और उर्वरक की बढ़ती लागत का असर परिवहन और खाद्य कीमतों पर पड़ रहा है, जिससे 'कॉस्ट-पुश' महंगाई की स्थिति बन रही है। ऐसी स्थिति में केवल मौद्रिक नीति से महंगाई को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है और सरकार को महंगाई तथा आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाना पड़ता है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

चावल, गेहूं में साप्ताहिक गिरावट; चीनी, खाद्य तेल मजबूत; दालों में घट-बढ़

एजेंसी
नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गये। गेहूं में भी नरमी रही। चीनी और खाद्य तेलों के भाव बढ़ गये जबकि दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 27 रुपये टूटकर सप्ताहांत पर 3,825 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 15 रुपये गिरकर 2,784

रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा 17 रुपये सस्ता हुआ और 3,279 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 76 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल भी चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल में 40 रुपये और चना दाल में 27 रुपये की नरमी रही। उड़द दाल का भाव 11 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। बीते सप्ताह सोया तेल 223 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सरसों तेल की कीमत 194 रुपये और पाम ऑयल की 190 रुपये बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल का भाव 137 रुपये और मूंगफली तेल का 126 रुपये चढ़ा। वनस्पति भी 121 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी सात रुपये महंगी हुई।

ट्रंप की धमकी से होर्मुज स्ट्रेट पर बढ़ा संकट, तेल कीमतों में आया उछाल

एजेंसी
वाशिंगटन। ईरान के साथ-साथ होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक ऊर्जा बाजार और आपूर्ति शृंखलाएं दबाव में आ रही हैं। तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जहाजरानी मार्गों में से एक पर व्यवधान की आशंकाएं बढ़ रही हैं। सीएनएन के अनुसार, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा न खोलने पर ईरानी ऊर्जा केंद्रों पर हमले की धमकी के बाद तेल की कीमतों में तेजी आई।' रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ब्रेंट क्रूड 1.4 प्रतिशत बढ़कर 110.60 डॉलर हो गया, जबकि अमेरिकी क्रूड 1.8 प्रतिशत बढ़कर 113.60 डॉलर हो गया है।

ईरान और ओमान के बीच स्थित संकरा जलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। यहां किसी भी प्रकार का व्यवधान का बाजारों पर तत्काल प्रभाव पड़ता है। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हर साल इस स्ट्रेट से होकर गुजरता है, जिससे यह दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से संवेदनशील चोकप्वॉइंट्स में से एक बन गया है। मौजूदा गतिरोध ने पहले ही जहाजरानी प्रवाह को बाधित करना शुरू कर दिया है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बहरीन के विदेश मंत्री ने कहा, 'ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों के आवागमन में बाधा डालने से टैंकरों का आवागमन 90 प्रतिशत से अधिक कम हो गया है और अब यह वैश्विक खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा बन गया है। इसका प्रभाव केवल ऊर्जा बाजारों तक ही सीमित नहीं है। समुद्री व्यापार में व्यवधान से खाद्य और उर्वरक आपूर्ति शृंखलाएं भी प्रभावित हो रही हैं।'

बहरीन के मंत्री ने कहा कि संकट जहाजों को होने वाले शुरुआती खतरों से कहीं आगे बढ़ गया है और अब वैश्विक स्थिरता के लिए एक व्यापक खतरा पैदा कर रहा है। इसके परिणाम अब केवल ऊर्जा बाजारों तक ही सीमित नहीं हैं।

बाजार में अस्थिरता ईंधन की कीमतों में पहले से ही दिखाई दे रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका में संघर्ष से जुड़ी कच्चे तेल की बढ़ती लागत के कारण गैसोलीन की कीमतों में उछाल आया है। फॉक्स न्यूज के अनुसार, राष्ट्रीय औसत गैसोलीन की कीमत लगभग 4.11 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है, जो हाल के हफ्तों में तेजी से बढ़ी है। लगभग हर क्षेत्र में कीमतें बढ़ी हैं और कुछ क्षेत्रों में तो राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर पहुंच गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ईरान के साथ जारी संघर्ष के चलते कच्चे तेल की लागत बढ़ने से गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।' 'जेट ईंधन की कीमतों में भी भारी उछाल आया है, जिससे एयरलाइनों की परिचालन लागत बढ़ गई है और हवाई किराए में वृद्धि तथा उड़ान क्षमता में कमी की संभावना बढ़ गई है।' न्यूज ने उद्योग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया, 'अमेरिका में जेट ईंधन की कीमतों में पिछले कई वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई है, कुछ ही हफ्तों में ये दोगुनी से भी अधिक हो गई हैं।' विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट में लंबे समय तक व्यवधान से वैश्विक रसद पर और दबाव पड़ सकता है, विशेष रूप से एशिया और यूरोप के ऊर्जा आयात करने वाले देशों पर असर पड़ेगा। तत्काल कीमतों में उछाल के अलावा, यह स्थिति वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता को बढ़ावा दे रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, तेल बाजारों ने सप्ताहांत के घटनाक्रम पर बढ़ती कीमतों और व्यापक आर्थिक चिंताओं के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की।रिपोर्ट में कहा गया है, 'ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 111 डॉलर तक पहुंच गई। इस संघर्ष ने उन बाजारों को हिला दिया है जो पहले से ही आपूर्ति में व्यवधान के प्रति संवेदनशील हैं।'

मालदीव की मुइज्जू सरकार की संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर चुनावों में हार

एजेंसी

माले। मालदीव में हुए अहम चुनावी मुकाबले में सत्ताधारी दल को बड़ा झटका लगा है। संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर चुनावों में विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी(एमडीपी)ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई है, जिससे सरकार की स्थिति कमजोर होती दिख रही है। इन नतीजों को मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली सत्ताधारी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस(पीएनसी)के लिए एक बड़ी राजनीतिक परीक्षा माना जा रहा था। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार बड़ी संख्या में मतदाताओं ने प्रस्तावित संवैधानिक बदलावों को खारिज किया, जबकि मेयर चुनावों में भी विपक्ष ने कई प्रमुख सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी पकड़ मजबूत की है। तुर्किए की सरकारी समाचार संस्था अनाडोलू एजेंसी (एए) ने मीडिया रिपोर्टों के हवाले से बताया कि मालदीव की सत्ताधारी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस(पीएनसी)को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि वह एक अहम संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर की दौड़ में हार गई है। इस चुनाव को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के लिए एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती नतीजों से पता चला है कि गिने गए वोटों में से 70फीसदी लोगों ने उस जनमत संग्रह का विरोध किया है, जिसे देश के राजनीतिक ढांचे के लिए काफी अहम माना जाता है।

यूक्रेन पर रूस के रात भर चले ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत, 30 घायल

कीव। यूक्रेन पर रूसी हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। रात भर चले ड्रोन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की तुर्की यात्रा के दौरान हुए इन हमलों में कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिनमें निकोपोल और सूमी शामिल हैं। हमलों से रिहायशी इलाकों, बाज़ारों और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया एनबीसी के अनुसार यूक्रेनी वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 286 ड्रोन दागे, जिनमें से 260 को मार गिराया गया। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्जेंडर हंझा ने बताया कि निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के निकोपोल शहर में तीन महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। इसके अलावा 19 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें एक 14 साल की लड़की भी है। इस हमले में बाज़ार के स्टॉल और एक दुकान को नुकसान पहुंचा। ये हमले तब हुए जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बातचीत के लिए इस्तांबुल गए हुए थे। वह पूर्वी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों के आध्यात्मिक गुरु एक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बार्थोलोम्यू से भी मुलाक़ात करेंगे।

नेपाल सरकार ने पुरानी डीजल-पेट्रोल गाड़ियों को इलेक्ट्रिक में बदलने की दी अनुमति

काठमांडू। पेट्रोलियम पदार्थों के बढ़ते आयात और पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए नेपाल सरकार ने पुरानी डीजल और पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक (विद्युतीय) वाहनों में बदलने की अनुमति देने का नीतिगत निर्णय लिया है। नेपाल सरकार के प्रवक्ता एवं शिक्षामंत्री सस्मित पोखरेल ने बताया कि मंत्रिपरिषद की हुई बैठक ने इसके लिए आवश्यक कानूनी अड़चनों को दूर करने और उचित व्यवस्था बनाने के लिए संबंधित निकायों को निर्देश देने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण और ईंधन खपत कम करने के उद्देश्य से लिया गया है। वर्तमान में पुराने ईंधन चालित वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने के दौरान पंजीकरण, नवीकरण और तकनीकी मानकों से जुड़ी स्पष्ट कानूनी व्यवस्था नहीं होने के कारण वाहन मालिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। प्रवक्ता पोखरेल ने कहा कि डीज़ल और पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के लिए आवश्यक कानूनी व्यवस्था की जाएगी। इससे एक ओर ईंधन पर निर्भरता कम होगी, तो दूसरी ओर नेपाल की नवीकरणीय ऊर्जा (बिजली) के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। सरकार के इस फैसले के बाद अब पुराने वाहनों को कबाड़ में फेंकने के बजाय कम लागत में उन्हें पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सकेगा।

नेपाल में अब हफ्ते में दो दिन सार्वजनिक अवकाश, सुबह 9 से शाम 5 बजे तक खुलेंगे सरकारी दफ्तर

काठमांडू। नेपाल सरकार ने दो महत्वपूर्ण लिए हैं, जिसके तहत अब सरकारी कार्यालयों के लिए शनिवार और दो दिन साप्ताहिक अवकाश घोषित किया है। नए फैसले में सरकारी दफ्तरों के खुलने का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि सरकारी कार्यालयों और शैक्षिक संस्थानों में अब शनिवार और छुट्टी रहेगी। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम आपूर्ति में उत्पन्न असहज स्थिति के कारण यह निर्णय लिया गया है। प्रवक्ता पोखरेल के अनुसार यह व्यवस्था कल सोमवार से लागू होगी। सरकार ने सरकारी कार्यालयों का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित करने का भी निर्णय लिया है। मंत्रिपरिषद की बैठक ने शैक्षिक संस्थानों को छोड़कर अन्य सरकारी कार्यालयों का समय 9 से 5 बजे तक बनाए रखने का निर्णय किया है।यह समय-सीमा शैक्षिक संस्थानों को छोड़कर अन्य सरकारी कार्यालयों पर लागू होगी।

ईरान को लेकर ट्रंप की धमकियों का पूरे अमेरिका में हो रहा है विरोध

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमला करने की हालिया धमकी ने देश के भीतर विरोध को जन्म दिया है। कानूनी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस तरह की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो सकती है जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तेहरान के साथ तनाव लगातार बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा नहीं खोलता है, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स और पुलों को निशाना बना सकता है। पोलिटिको के अनुसार, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'मंगलवार ईरान में पावर प्लांट डे और ब्रिज डे होगा-सब एक साथ। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। उस स्ट्रेट को खोलो, नहीं तो तुम लोग नरक में जियोगे, देख लेना।' यह बयान उस समय आया है जब इस रणनीतिक जलमार्ग को लेकर तनाव बढ़ रहा है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए एक अहम मार्ग है।ट्रंप ने ईरान को जलडमरूमध्य खोलने के लिए एक समयसीमा भी दी। सीएनएन के अनुसार, उन्होंने संकेत दिया कि यदि तेहरान कार्रवाई नहीं करता, तो हमले हो सकते हैं।

व्हाइट हाउस ने स्थिति को संभालने की कोशिश की। प्रेस सचिव कैरोलीन लीविट ने कहा कि अमेरिका 'हमेशा कानून के दायरे में रहकर काम करेगा।' कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत गंभीर चिंता का विषय है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, पावर प्लांट और परिवहन प्रणाली जैसे ढांचे 'ईरान में नागरिक जीवन की नींव हैं' और उनका विनाश 'ज्यादातर मामलों में अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध माना जा सकता है।'

अंतरराष्ट्रीय कानून नागरिक ठिकानों पर हमले की अनुमति नहीं देता, जब तक कि वे सैन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग में न हों और सैन्य लाभ नागरिक नुकसान से अधिक न हो।

द वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, एक कानूनी विशेषज्ञ ने कहा कि 'सभी पुलों या पावर प्लांट्स पर बिना भेदभाव के हमला करने की धमकी देना युद्ध अपराध करने की धमकी के समान हो सकता है।' इन टिप्पणियों पर दोनों दलों के नेताओं ने आलोचना की है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, सीनेटर क्रिस मर्फी ने ट्रंप के बयान को 'पूरी तरह असंतुलित' बताया। रिपब्लिकन प्रतिनिधि डॉन बेकन ने कहा कि अमेरिकी 'अपने राष्ट्रपति से अशोभनीय भाषा की उम्मीद नहीं करते,' और नेतृत्व में आत्मसंयम जरूरी है।

हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज ने कहा कि प्रशासन ने अमेरिका को 'बिना योजना के एक लापरवाह युद्ध' में धकेल दिया है।

कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने प्रशासन का समर्थन भी किया। प्रतिनिधि माइक लॉलर ने सैन्य अभियान को 'अविश्वसनीय ऑपरेशन' बताया।

ईरान ने अमेरिकी दबाव को खारिज कर दिया है। सीएनएन के अनुसार, एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य 'तब तक बंद रहेगा जब तक ईरान को युद्ध क्षति का भुगतान नहीं मिल जाता।'

पूर्व प्रधानमंत्री ओली और गृहमंत्री लेखक की पुलिस रिमांड 5 दिनों के लिए बढ़ी

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू जिला अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और गृहमंत्री रमेश लेखक की

पुलिस रिमांड पांच दिनों के लिए बढ़ा दी है। ये चौथी बार है, जब दोनों नेताओं की रिमांड बढ़ाई गई है। पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए 'जेन-जी' आंदोलन की जांच के सिलसिले में दोनों को 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। पहली बार 29 मार्च को पांच दिनों की रिमांड दी गई थी। उसके बाद दो बार दो-दो दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया था। इन गिरफ्तारियों का आधार मंत्रिपरिषद का वह निर्णय था, जिसमें पूर्व न्यायाधीश गौरीबहादुर कार्की के नेतृत्व में गठित आयोग की सिफारिशों को लागू करने का फैसला लिया गया था। इस आयोग को 'जेन-जी' आंदोलन से जुड़े घटनाक्रमों की जांच की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में ओली और लेखक कैंटर से जमानत याचिका भी दायर की गई और आज उस पर सुनवाई भी हुई, लेकिन बहस पूरा नहीं होने के कारण कोई फैसला नहीं हो पाया। कोर्ट ने सरकार को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया, जिसके बाद सरकार की तरफ से गृह मंत्रालय ने अपना जवाब कोर्ट को सौंप दिया है।

ईरान के विदेश मंत्री की भारतीय और रूसी समकक्षों के साथ फोन पर बातचीत, युद्ध के हालातों पर हुई चर्चा

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे क्षेत्रीय संघर्ष पर रूस और भारत के विदेश मंत्रियों से बातचीत की। ईरानी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयानों के अनुसार, हुई दो अलग-अलग फोन कॉल में अरागची ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ पश्चिम एशिया की ताज़ा स्थिति और अमेरिका व इजराइल के हमलों के सुरक्षा और आर्थिक असर पर चर्चा की। अरागची ने बताया कि पिछले 37 दिनों में अमेरिका और इजरायल ने ईरान के लोगों के खिलाफ कई हमले किए हैं। इनमें औद्योगिक ढांचे, फैक्ट्रियों, अस्पतालों, स्कूलों, रिहायशी इलाकों और परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से जुड़े प्रभावशाली देशों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर जिम्मेदार रवैया अपनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान

की जनता और उसकी सेना अपने देश के हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका और इजरायल के हमलों का असर पूरे क्षेत्र और दुनिया की स्थिरता और सुरक्षा पर पड़ सकता है। वहीं, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने नागरिक इलाकों पर हो रहे 'गैरकानूनी' हमलों को तुरंत रोकने की जरूरत बताई। उन्होंने खास तौर पर दक्षिणी ईरान के बुशेहर परमाणु संयंत्र पर हमलों का जिक्र किया और कहा कि इस संघर्ष को फैलने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश की जानी चाहिए।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत युद्ध को रोकने के लिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही कोशिशों का समर्थन करता है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब 28 फरवरी से अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों के बाद क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। इसके जवाब में ईरान और उसके सहयोगी देशों ने मध्य पूर्व में अमेरिका और इजराइल से जुड़े ठिकानों पर हमले किए हैं।

ईरान ने खारिज की अमेरिकी चेतावनी, कहा- नहीं खुलेगा होर्मुज

एजेंसी

तेहरान। युद्ध की लपटों से झुलसे मध्य पूर्व का आसमान आशंकाओं के बादलों से अट गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) को मंगलवार तक खोलने की समय सीमा तय करने की चेतावनी को ईरान ने पूरी दृढ़ता से खारिज कर दिया। तेहरान ने अल्टीमेटम को ठुकराते हुए को ट्रंप को 'बेबस' और 'घबराया' हुआ बताया। ईरान ने कहा कि उसे धमकी की कोई परवाह नहीं। होर्मुज नहीं खुलेगा। जिसे जो करना हो कर ले।

अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी को सिरे से खारिज कर दिया है। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान 48 घंटों के भीतर शांति समझौता स्वीकार नहीं करता है तो वे देश के जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह कर देंगे। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से नहीं खोला गया, तो ईरान पर कहर

टूट पड़ेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों से ईरानी लोग बिल्कुल भी विचलित नहीं हैं। प्रवक्ता ने कहा कि ईरानियों के पास अपनी रक्षा करने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। और इस युद्ध के पहले दिन से ही ईरान यह साबित कर दिया है कि वह जो कहता है, उसे कर दिखाता है। यानी देश के नागरिक बुनियादी ढांचे (विशेष रूप से बिजली संयंत्रों) पर हमला हुआ तो दुश्मन को वैसा ही जवाब दिया जाएगा। चैनल के अनुसार, इजराइल और अमेरिका लगातार ईरान के नागरिक इंफ्रास्ट्रक्चर और पेट्रो केमिकल संयंत्रों पर हमले कर रहे हैं। इन हमलों कम से कम पांच लोग मारे गए हैं। बुशेहर परमाणु स्थल पर हुए एक हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। अमेरिका का कहना है कि उसने दिवंगत ईरानी मेजर-जनरल कासिम सुलेमानी की भतीजी और उनकी बेटी को गिरफ्तार कर लिया है और उनकी स्थायी नागरिकता रद्द कर दी है। हालांकि, एक बयान में, उनकी बेटियों ने कहा कि अमेरिका में गिरफ्तार की गई उन दोनों महिलाओं से उनका कोई संबंध नहीं है।

ट्रंप के बीमार होने की सभी अटकलों पर लगा विराम, प्रेस ब्रीफिंग में शामिल होंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर ऐसी खबरें आ रही थी कि उनकी तबीयत खराब है। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने व्हाइट हाउस के हवाले से जानकारी दी थी कि ट्रंप अमेरिकन कंजर्वेटिव्स की एक बड़ी सालाना मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। इसे देखते हुए तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे। ऐसे में व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की है कि अमेरिकी राष्ट्रपति आज मीडिया से बातचीत करेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कैरोलिन लेविट ने लिखा, 'प्रेस की मांग के कारण, राष्ट्रपति ट्रंप की कल (6 अप्रैल) की न्यूज कॉन्फ्रेंस अब व्हाइट हाउस ब्रीफिंग रूम में दोपहर 1 बजे (स्थानीय समयानुसार) होगी।' भारतीय समयानुसार, कैरोलिन ने यह जानकारी 6 अप्रैल को सुबह तीन बजकर 19 मिनट पर दी, जो अमेरिकी समयानुसार, 5 अप्रैल की शाम लगभग 5 बजकर 49 मिनट है। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया

पर तेजी से फैल रही उन अटकलों को खारिज किया है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अस्पताल में भर्ती किए जाने की बात कही जा रही थी। यह अटकलें तब शुरू हुईं जब व्हाइट हाउस ने शनिवार सुबह 11 बजे (ईटी) 'फोटो लिड' घोषित कर दिया। कूटनीतिक और प्रशासनिक शब्दावली में इसका अर्थ है कि उस दिन राष्ट्रपति का कोई अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम प्रस्तावित नहीं है। एक्स पर कुछ पोस्ट्स में दावा किया गया कि ट्रंप को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर ले जाया गया है, जिसे एक वायरल मोटरकेड वीडियो ने और हवा दी।

हालांकि, फैक्ट-चेक और बाद की रिपोर्टिंग में पता चला कि यह वीडियो 2024 का है, जब ट्रंप को फायरिंग में घायल होने के बाद पेन्सिल्वेनिया के बटलर स्थित एक अस्पताल से छुट्टी मिली थी।

व्हाइट हाउस के कम्युनिकेशंस डायरेक्टर स्टीवन च्युंग ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का कार्यक्रम सामान्य है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ट्रंप से ज्यादा मेहनत करने वाला कोई राष्ट्रपति नहीं रहा है। इस ईस्टर वीकेंड पर भी वह व्हाइट हाउस और ओवल ऑफिस में लगातार काम कर रहे हैं।' वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर से रिपोर्टिंग कर रहे एक पत्रकार ने भी कहा कि वहां न तो 'मरीन वन' था, न कोई मोटरकेड और सड़कें भी खुली हुई थीं। सीबीएस न्यूज की पत्रकार एम्मा निकोलसन ने पोस्ट किया, 'दोपहर 1:50 बजे वेस्ट विंग के दरवाजे पर एक मरीन संतरी खड़ा है, जो यह दर्शाता है कि राष्ट्रपति अंदर काम कर रहे हैं।' आमतौर पर वेस्ट विंग के प्रवेश द्वार पर मरीन संतरी की मौजूदगी यह संकेत देती है कि राष्ट्रपति बिल्डिंग में मौजूद हैं और काम कर रहे हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब अमेरिक राष्ट्रपति के स्वास्थ्य को लेकर इस तरह की झूठी खबरें फैल रही हैं। इससे पहले भी कई बार राष्ट्रपति की गतिविधियों से जुड़ी गलत जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फैलती रही है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ओमान-ईरान वार्ता, जहाजों की आवाजाही और नियंत्रण पर चर्चा

एजेंसी

मस्कट/तेहरान। ओमान और ईरान के बीच रणनीतिक रूप से अहम होर्मुड जलडमरूमध्य को लेकर महत्वपूर्ण वार्ता हुई है। इस बैठक में दोनों देशों ने समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही, सुरक्षा और संभावित नियंत्रण व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की।

ओमान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, हुई इस बैठक में विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों ने कई प्रस्ताव पेश किए, जिन पर आगे विचार किया जाएगा।

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में जारी तनाव के कारण इस जलमार्ग की स्थिति वैश्विक चिंता का विषय बनी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य की भौगोलिक स्थिति इस वार्ता का प्रमुख कारण है। इसका उत्तरी हिस्सा ईरान के नियंत्रण में है, जबकि दक्षिणी भाग ओमान के अधीन आता है। ऐसे में यहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और संचालन में दोनों देशों की भूमिका बेहद अहम हो जाती है।दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में शामिल यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के करीब 20 प्रतिशत हिस्से का वहन करता है।

हालिया संघर्ष के बीच ईरान ने इस मार्ग को अधिकांश जहाजों के लिए बंद कर दिया था, हालांकि कुछ तेल टैंकरों की आवाजाही फिर शुरू होने के संकेत मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईरान इस क्षेत्र में अपनी संप्रभुता को मान्यता दिलाने और जहाजों की आवाजाही पर अधिक नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत है। वहीं, ओमान संतुलन बनाए रखते हुए समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की भूमिका निभा रहा है।

ऑस्ट्रिया किसी भी सैन्य टकराव का हिस्सा नहीं बनेगा : उप-चांसलर

एजेंसी

वियना। ऑस्ट्रिया के उप-चांसलर आंद्रेयास बाबलेर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'अराजक नीति' की आलोचना करते हुए कहा कि ऑस्ट्रिया न तो किसी सैन्य टकराव का हिस्सा बनेगा और न ही अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग बिना सख्त जांच के होने देगा। साथ ही उन्होंने अमेरिका की मौजूदा विदेश नीति से दूरी बनाते हुए स्पष्ट किया है कि उनका देश अपनी ऐतिहासिक तटस्थता से कोई समझौता नहीं करेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच एक माह से जारी युद्ध और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के भीतर उभरते मतभेदों के बीच वियना का यह रुख यूरोप में रणनीतिक असहमति और बदलते वैश्विक समीकरणों की ओर इशारा करता है। तुर्किए की सरकारी समाचार संस्था अनाडोलू एजेंसी (एए) के अनुसार ऑस्ट्रिया के उप चांसलर ने ज़ोर देकर कहा कि उनका देश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अराजक नीति का हिस्सा नहीं हैं और इस मामले में हमें

Andi Babler
@AndiBabler
Angesichts der Überflüge von US-Militärflugzeugen durch österreichischen Luftraum braucht es eine klare Linie: Unsere Neutralität ist nicht verhandelbar und muss gerade jetzt konsequent eingehalten werden. 1/2
Translated from German by Google
In light of the overflights of US military aircraft through Austrian airspace, a clear stance is needed: Our neutrality is non-negotiable and must be consistently upheld, especially now. 1/2
Rate this translation
2:54 PM · Apr 4, 2026 · 18.9K Views
Read 119 replies

एक इंच भी पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने कहा कि वियना की तटस्थता गैर-समझौता योग्य है और एक ऐसा सिद्धांत जो अमेरिकी सैन्य विमानों की उड़ान पर भी लागू होता है।

एंड्रियास बैबलर ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ऑस्ट्रियाई हवाई क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य विमानों की उड़ानों को देखते हुए एक स्पष्ट सीमा तय करना जरूरी है। हमारी तटस्थता गैर-समझौता योग्य है और इसे लगातार बनाए रखा जाना चाहिए, वह भी अभी। उन्होंने कहा कि ऐसी उड़ानों के मामले में, यहां तक कि वे मिशन भी जो सीधे तौर पर संघर्ष क्षेत्रों में प्रवेश नहीं करते, बल्कि सैन्य कार्रवाइयों में सहायता करते हैं, उनकी भी गहन जाँच होनी चाहिए। ऑस्ट्रिया 1955 से ही तटस्थता की एक पुरानी नीति का पालन करता आ रहा है, जिसके तहत वह किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल होने या अपनी धरती पर विदेशी सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति नहीं देता है।

ये टिप्पणियां ईरान के साथ अमेरिका-इज़रायल युद्ध के दूसरे महीने में सामने आईं। 28 फरवरी से शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 1,340 से ज़्यादा लोगों की मौत हुई हैं, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई भी शामिल हैं। ईरान ने इसके जवाब में ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, जिनमें इज़रायल, जॉर्डन, इराक और उन खाड़ी देशों को निशाना बनाया गया है जहाँ अमेरिकी सेनाएँ तैनात हैं।

हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोप में अपने नाटो सहयोगियों से होर्मुज़ जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए नौसेना बल भेजने का आग्रह किया है, लेकिन कई प्रमुख सदस्यों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने ऐसा करके रणनीतिक मतभेदों और इस गठबंधन के उद्देश्य को लेकर चल रही बहस को उजागर किया है।

अमेरिका और चीन को अपना 'जागीरदार' न बनाएं दुनिया भर के देश : इमैनुएल मैक्रों

एजेंसी

पेरिस/सियोल। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वैश्विक मंच पर एक बड़ा संदेश देते हुए समान विचारधारा वाले देशों से 'स्वतंत्रता गठबंधन' बनाने की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हालिया सार्वजनिक मतभेदों के बाद मैक्रों ने अमेरिका की 'अनिश्चितता' और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच देशों से किसी एक शक्ति के 'जागीरदार' न बनने की बात कही। दक्षिण कोरिया के सियोल में दिए अपने भाषण में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, लोकतंत्र और जलवायु जैसे साझा मूल्यों पर आधारित नई वैश्विक व्यवस्था बनाने का आह्वान किया, जो मौजूदा भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच एक अहम संकेत माना जा रहा है। रूस की सरकारी नियंत्रण वाला अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्वजनिक विवाद के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दुनिया भर के देशों से अपील की है कि वे अमेरिका या चीन के जागीरदार न बनें। सियोल की यात्रा के दौरान, फ्रांसीसी राष्ट्रपतिने दक्षिण कोरिया, जापान, ब्राजील, भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून, लोकतंत्र और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर साझा प्रतिबद्धताओं के आधार पर एक स्वतंत्रता गठबंधन बनाने का आग्रह किया।

योनसेई विश्वविद्यालय में दिए गए अपने भाषण में फ्रांसीसी राष्ट्रपतिमैक्रों ने कहा कि दशकों तक, हमारे पास एक तथाकथित स्थिरता थी, जो इस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और हमारे पास मौजूद कुछ निश्चितताओं पर आधारित थी। अब इसमें उतार-चढ़ाव आ रहा है। इस नई अव्यवस्था में हमें केवल मूकदर्शक बनकर नहीं रहना चाहिए। हमें एक नई व्यवस्था का निर्माण करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य दो वर्चस्ववादी शक्तियों के जागीरदार बनना नहीं है। हम चीन के प्रभुत्व पर निर्भर नहीं रहना चाहते और न ही हम अमेरिका की अनिश्चितता के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनना चाहते हैं। इमैनुएल मैक्रोंने पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। साथ ही उन्होंने ट्रंप पर भी पलटवार किया, जिन्होंने नाटो के यूरोपीय सदस्यों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की उनकी अपील को अनसुना किए जाने के बाद, संगठन को एक कागजी शेर कहकर उसका मजाक उड़ाया था।

अमेरिका में सुलेमानी की भतीजी हिरासत में, ग्रीन कार्ड रद्द होने के बाद डिपोर्ट की तैयारी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में ईरान के दिवंगत सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की भतीजी हामिदेह सुलेमानी अफशार और उनकी बेटी को हिरासत में लिया गया है। दोनों को अब डिपोर्टेशन प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उनका ग्रीन कार्ड रद्द करने का निर्णय लिया, जिसके बाद आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, हामिदेह सुलेमानी अफशार पर ईरानी शासन के समर्थन और उसके पक्ष में प्रचार करने के आरोप हैं। साथ ही, उन पर अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ हमलों का समर्थन करने और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) जैसे संगठनों की प्रशंसा करने के भी आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफशार अपनी बेटी के साथ लॉस एंजिलिस में रह रही थीं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका ऐसे व्यक्तियों को अपने देश में रहने की अनुमति नहीं देगा, जो उसके खिलाफ गतिविधियों या संगठनों का समर्थन करते हैं। फिलहाल दोनों आईसीई की हिरासत में हैं और उनके खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

45 दिन सीजफायर को लेकर बातचीत, 48 घंटे का मौका : ट्रम्प का 'होर्मुज अल्टीमेटम'

एजेंसी

तेहरान/यरूशलेम/वॉशिंगटन। सुबह दुनिया के लिए एक खौफनाक मंजर लेकर आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दिए गए 'होर्मुज अल्टीमेटम' ने खाड़ी क्षेत्र में बारूद के ढेर में चिंगारी लगा दी है। ईरान ने इस धमकी को खारिज करते हुए इज़राइल के हाइफा शहर पर मिसाइल दाग दी है, जिसमें दो नागरिकों की मौत हो गई है। इस बीच ईरान और अमेरिका के बीच ईरान और अमेरिका के बीच 45 दिन के सीजफायर को लेकर बातचीत चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर समझौता नहीं हुआ तो ईरान पर बड़े हमले किए जा सकते हैं, जिसकी तैयारी अमेरिका और इजराइल ने कर ली है। युद्ध की शुरुआत राष्ट्रपति ट्रम्प के उस कड़े बयान से हुई जिसमें उन्होंने ईरान को मंगलवार (कल) तक का समय दिया है। ट्रम्प ने दो टूक कहा: 'या तो तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को तुरंत खोले, या फिर अपने पावर प्लांट्स और महत्वपूर्ण पुलों पर होने वाली भीषण बमबारी के लिए तैयार रहे।'

इस धमकी पर पलटवार करते हुए ईरान के पूर्व विदेश मंत्री जवाद ज़रीफ़ ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर ट्रम्प के व्यवहार को 'अभद्र और अश्लील' करार दिया। ज़रीफ़ ने सोशल मीडिया पर चेतावनी देते हुए लिखा:

'ईरान अपनी रक्षा करेगा। यह आक्रामकता एक युद्ध अपराध के साथ शुरू हुई है जिसमें हमारे स्कूली बच्चों को निशाना बनाया गया। ट्रम्प की यह नई धमकी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक जिम्मेदारी का विषय है।'

ग्राउंड जीरो : हाइफा में मलबे में दबी जिंदगी

इज़राइल के तटीय शहर हाइफा में आज सुबह उस समय चीख-पुकार मच गई जब ईरान की एक मिसाइल सीधे एक रिहायशी इमारत पर जा गिरी।

नुकसान : इस हमले में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। राहतकर्मी अभी भी मलबे में दबे 2 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।

मिसाइल इंटरसेप्शन : इज़राइली सेना ने दावा किया है कि उन्होंने दक्षिणी इज़राइल (बीयरशेबा) की ओर आ रही कई अन्य मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया है।

ईरान पर रातभर बरसे गोले : विश्वविद्यालयों को बनाया निशाना

बीती रात तेहरान के आसमान में केवल आग और धुआं नजर आया। अमेरिका और इज़राइल के साझा हवाई हमलों ने ईरान के बुनियादी ढांचे को झकझोर कर रख दिया है।

शरीफ यूनिवर्सिटी पर हमला : तेहरान की प्रतिष्ठित 'शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी' पर हुए हमले ने दुनिया को हैरान कर दिया है। पिछले कुछ हफ्तों में यह चौथा बड़ा विश्वविद्यालय है जिसे निशाना बनाया गया है।

मौत का तांडव : ताजा हमलों में अब तक 34 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

हृदयविदारक तथ्य यह है कि तेहरान के बाहरी इलाके बहारेस्तान में मारे गए 13 लोगों में 6 मासूम बच्चे शामिल हैं।

यह जंग अब केवल दो देशों के बीच नहीं रही, बल्कि पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले रही है:

लेबनान : दक्षिण लेबनान के कफ़र रुम्मान में इज़राइली ड्रोन ने एक कार को निशाना बनाया, जिसमें 4 लोग जिंदा जल गए।

इराक : सुलेमानियाह के आसमान में ड्रोनों का शोर सुना गया, जहाँ ईरानी विद्रोही समूहों के ठिकानों पर हमले किए गए हैं।

खाड़ी देश : ईरान से लॉन्च किए गए एक ड्रोन ने यूएई (फुजैराह) में एक टेलीकॉम कंपनी की इमारत को निशाना बनाया, जबकि सऊदी अरब ने अपनी सीमा में घुस रहे 2 ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया है।

page 1 and 8 Apr 7_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/7/2026 12:40 AM Page 2

चीड़ से होने वाले विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक फायदे:

मुंह के छालों के लिए वरदान बहुत से लोगों को मुंह में छाले होने की शिकायत होती है। मुंह में छाले होने के बहुत से कारण हो सकते हैं। कई बार बहुत ज्यादा तीखी चीजें खाने से भी मुंह में छाले की शिकायत हो सकती है। इसके साथ ही कई बार पेट की गर्मी की वजह से भी मुंह में छाला हो सकता है। ऐसे में मुंह के छालों से छुटकारा पाने में चीड़ के पेड़ से निकलने वाला गोंद आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके गोंद से गार्गिल करने से आपको इस समस्या से निजात मिल सकता है।

इम्युनिटी बूस्टर चीड़ को विटामिन सी का पावर हॉउस माना जाता है। विटामिन की मात्रा शरीर में जाने से आपका प्रतिरक्षा प्रणाली यानि की इम्यून सिस्टम काफी ज्यादा मजबूत होती है। इससे आप विभिन्न प्रकार के रोगों से खुद को काफी हद तक बचा सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, चीड़ में तो विटामिन सी पाया ही जाता है इसके साथ ही साथ इस पेड़ के छिलकों में भी काफी ज्यादा मात्रा में विटामिन सी मौजूद होता है। रोजाना एक कप चीड़ के छिलकों से बनी चाय पीने से आपको विटामिन सी की उचित मात्रा प्राप्त हो सकती है। विटामिन सी शरीर में सफ़ेद रक्त कोशिकाओं को उत्तेजित करता है और शरीर में एंटीऑक्सीडेंट का भी संचार करता है।

आँखों की रोशनी के लिए लाभकारी पाइन या चीड़ की छाल में विटामिन ए और कैरोटिनॉइड की मात्रा भी काफी ज्यादा होती है। कैरोटिनॉइड वास्तव में एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है, जो खासतौर से आँखों की रोशनी को बढ़ाने का काम करते हैं। इसकी चाय पीने से बुजुर्गों को काफी लाभ मिल सकता है, विशेष रूप से उन्हें जिनकों मोतियाबिंद की समस्या हो। ये आँखों में मोतियाबिंद होने से रोकने में भी मददगार हो सकता है और आँखों की रोशनी को पहले से ज्यादा बढ़ा सकता है। जरूरी नहीं है कि, पाइन टी का सेवन केवल उम्रदराज लोग ही करें युवा और वयस्क भी इसका सेवन कर बुढ़ापे में आँखों में होने वाली दिक्कतों को दूर कर सकते हैं। इस चाय को पीने से आपको स्ट्रेस और मानसिक तनाव से भी निजात मिल सकता है।

बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद

चीड़ में मौजूद विटामिन ए की मात्रा को आँखों के साथ ही स्किन के लिए भी विशेष रूप से फायदेमंद माना जाता है। यह त्वचा में किसी प्रकार का ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस नहीं होने देता है और स्किन को रिंकल की समस्या से भी बचाने में मददगार साबित हो सकता है। चेहरे पर होने वाले दाग धब्बे और मुहांसों की समस्या से भी निजात दिलाने में पाइन काफी असरदार साबित हो सकता है। अब बात करे बालों की तो, विटामिन ए और विटामिन सी दोनों ही सर के स्कैल्प के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। इसके इस्तेमाल से बालों में चमक बनी रहती है और बालों के झड़ने की समस्या से भी निजात मिलता है।

चीड़ का पेड़

चीड़ एक सपुष्पक, किन्तु अनावृतबीजी पौधा है। यह सीधा पृथ्वी पर खड़ा रहता है। इसमें शाखाएँ तथा प्रशाखाएँ निकलकर शंक्वाकार शरीर की रचना करती हैं। पूरे विश्व में चीड़ की 115 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। ये 03 से 80 मीटर तक लम्बे हो सकते हैं। चीड़ के वृक्ष पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में पाए जाते हैं। इनकी 90 जातियाँ उत्तर में वृक्ष रेखा से लेकर दक्षिण में शीतोष्ण कटिबंध तथा उष्ण कटिबंध के ठंडे पहाड़ों पर फैली हुई हैं। इनके विस्तार के मुख्य स्थान उत्तरी यूरोप, उत्तरी अमेरिका, उत्तरी अफ़्रीका के शीतोष्ण भाग तथा एशिया में भारत, बर्मा, जावा, सुमात्रा, बोर्नियो और फिलीपींस द्वीपसमूह हैं।

संरचना

चीड़ के कम उम्र के छोटे पौधों में निचली शाखाओं के अधिक दूर तक फैलने तथा ऊपरी शाखाओं के कम दूर तक फैलने के करण इनका सामान्य आकार पिरामिड जैसा हो जाता है। पुराने होने पर वृक्षों का आकार धीरे-धीरे गोलाकार हो जाता है। जगलों में उगने वाले वृक्षों की निचली शाखाएँ शीघ्र गिर जाती हैं और इनका तना काफ़ी सीधा, ऊँचा, स्तंभ जैसा हो जाता है। इनकी कुछ जातियों में एक से अधिक मुख्य तने पाए जाते हैं। छाल साधारणत- मोटी और खुरदरी होती है, परंतु कुछ जातियों में पतली भी होती है।

पत्तियाँ

चीड़ के वृक्ष में दो प्रकार की टहनियाँ पाई जाती हैं- एक लंबी, जिन पर शल्क पत्र लगे होते हैं, तथा दूसरी छोटी टहनियाँ, जिन पर सुई के आकार की लंबी, नुकीली पत्तियाँ गुछों में लगी होती हैं। नए पौधों में पत्तियाँ एक या दो सप्ताह में ही पीली होकर गिर जाती हैं। वृक्षों के बड़े हो जाने पर पत्तियाँ इतनी जल्दी नहीं गिरतीं। सदा हरी रहने वाली पत्तियों की अनुप्रस्थ काट तिकोनी, अर्धवृत्ताकार तथा कभी-कभी वृत्ताकार भी होती है। पत्तियाँ दो, तीन, पाँच या आठ के गुछों में या अकेली ही टहनियों से निकलती हैं। इनकी लंबाई दो से लेकर 14 इंच तक होती है और इनके दोनों तरु रंध्र कई पंक्तियों में पाए जाते हैं। पत्ती के अंदर एक या दो वाहिनी बंडल और दो या अधिक रेजिन नलिकाएँ होती हैं।

नर और मादा शंकु

वसंत ऋतु में एक ही पेड़ पर नर और मादा कोन या शंकु निकलते हैं। नर शंकु कत्थई अथवा पीले रंग का साधारणत- एक इंच से कुछ छोटा होता है। प्रत्येक नर शंकु में बहुत से द्विकोषीय लघु बीजाणुधानियाँ होती हैं। ये लघुबीजाणुधानियाँ छोटे-छोटे सहस्त्रों परागकणों से भरी होती हैं। परागकणों के दोनों सिरों का भाग फूला होने से ये हवा में आसानी से उड़कर दूर-दूर तक पहुँच जाते हैं। मादा शंकु चार इंच से लेकर 20 इंच तक लंबी होती है। इसमें बहुत से बीजांडी शल्क चारों तरफ से निकले होते हैं। प्रत्येक शल्क पर दो बीजांड लगे होते हैं। अधिकतर जातियों में बीज पक जाने पर शंकु की शल्कें खुलकर अलग हो जाती हैं और बीज हव में उड़कर फैल जाते हैं। कुछ जातियों में शकु नहीं भी खुलते और भूमि पर गिर जाते हैं। बीज का ऊपरी भाग कई जातियों में काग़ज़ की तरह पतला और चौड़ा हो जाता है, जो बीज को हवा द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने में सहायता करता है। बीज के चारों ओर मजबूत कोशिकाओं निर्मित आवरण या छिलका रहता है। इसके भीतर तीन से अठारह तक बीजपत्र उपस्थित होते हैं।

पौध तैयार करना

चीड़ के पौधे को उगाने के लिये काफ़ी अछी भूमि तैयार करनी पड़ती है। छोटी-छोटी क्यारियों में मार्च-अप्रैल के महीने में बीज मिट्टी में एक या दो इंच नीचे बो दिया जाता है। चूहों, चिड़ियों और अन्य जंतुओं से इनकी रक्षा की विशेष आवश्यकता करनी पड़ती है। अंकुर निकल आने पर इन्हें कड़ी धूप से बचाना चाहिए। एक या दो वर्ष पश्चात् इन्हें खोदकर उचित स्थान पर लगा देते हैं। खोदते समय सावधानी रखनी चाहिए, जिसमें जड़ों को किसी प्रकार की हानि न पहुँचे, अन्यथा चीड़, जो स्वभावत- जड़ की हानि नहीं सहन कर सकता, मर जायगा।

प्रकार

चीड़ दो प्रकार के होते हैं-

1. कोमल या सफ़ेद, जिसे हैप्लोज़ाइलॉन' कहा जाता है। इसकी पत्तियों में एक वाहिनी बंडल होता है, और एक गुछे में पाँच, या कभी-कभी से कम, पत्तियाँ

होती हैं। वसंत और सूखे मौसम की बनी लकड़ियों में विशेष अंतर नहीं होता।

2. कठोर या पीला चीड़, जिसे डिप्लोज़ाइलॉन कहा जाता है, इसमें एक गुछे में दो अथव तीन पत्तियाँ होती हैं। इनकी वसंत और सूखे ऋतु की लकड़ियों में काफ़ी अंतर होता है।

आर्थिक महत्व

चीड़ की लकड़ी काफ़ी आर्थिक महत्व की हाती है। विश्व की सब उपयोगी लकड़ियों का लगभग आधा भाग चीड़ द्वारा पूरा होता है। अनेकानेक कार्यों में, जैसे- पुल निर्माण में, बड़ी-बड़ी इमारतों में, रेलगाड़ी की पटरियों के लिये, कुर्सी, मेज, संदूक और खिलौने इत्यादि बनाने में इसका उपयोग होता है। कठोर चीड़ की लकड़ियाँ अधिक मजबूत होती हैं। अछाई के आधार पर इन्हें पाँच वर्गों में विभाजित किया गया है। इन वर्गों के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं[1]-

1. पाइनस पालुस्ट्रिस , पाइनस केरीबिया
2. पाइनस सिलवेस्ट्रिस , पाइनस रेजिनोसा
3. पाइनस पांडेरोसा
4. पाइनस पिनिया , पाइनस लौंजिफोलिया तथा पाइनस रेडिएटा
5. पाइनस बैंक्सियाना

रोग

चीड़ के वृक्ष में पाये जाने वाले मुख्य रोग इस प्रकार हैं-

सफेद चीड़ ब्लिस्टर रतुआ - यह रोग क्रोनारटियम रिबिकोला नामक फफूँद के आक्रमण के फलस्वरूप होता है। चीड़ की छाल इस रोग के कारण विशेष रूप से प्रभावित होती हैं। आरमिलेरिया जड़ सड़न - यह रोग आरमिलेरिया मीलिया नामक फंगिल फफूँदी द्वारा होता है। यह जड़ पर जमने लगती है और उसे सड़ा देती है। कभी-कभी तो सैकड़ों वृक्ष इस रोग के कारण नष्ट हो जाते हैं। -

(Source: Bharatdiscovery.org/India

चेरी एक खट्टा-मीठा गुठलीदार फल

चेरी एक खट्टा-मीठा गुठलीदार फल है। इसका रंग लाल, काला या पीला होता है। चेरी स्वस्थ के लिये अच्छा माना जाता है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाये जाते है. जैसे- विटामिन6, विटामिन ए, नायसिन, थायमिन, राइबोफ्लैविन पोटेशियम, मैगनिज, कॉपर, आयरन तथा फस्फोरस प्रचूर मात्रा में पाया जाता है. चेरी फल में एंटीऑक्सीडेट अधिक मात्रा में होता है जो स्वास्थ के लिये अधिक अच्छा माना जाता है.

चेरी फल का वनस्पतिक नाम ड्रूप्प है (स्टोन फल तथा अष्ठीफल) के नाम से भी जानते है. चेरी का वैज्ञानिक नाम प्रूनस एविनयम है,. चेरी फल का सेवन पूरे विश्व में किया जाता है.

चेरी सबसे अधिक यूरोप और एशिया, अमेरिका, तुर्की आदि देशों में पैदा किया जाता है. जबकि भारत में चेरी की खेती उत्तरपूर्वी राज्यो और हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, उत्तराखंड आदि राज्यों में किया जाता है. अगर आप भी इसे अपनी बगिया में उगाना चाहते हैं तो यहां पर कुछ टिप्सा दिये जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप इसे उगा सकते हैं। भारत में इसका उत्पादन 26 प्रतिशत किया जाता है. चूंकि यह फल ठंड के लिय उपयुक्त माना जाता. चेरी फल के स्वास्थ्य लाभ- चेरी फल विटामिंस सी का अच्छा स्रोत माना जाता है. इसमें प्रचुर मात्रा में फाइबर तथा पोषक तत्व होता है.

चेरी फल के फायदे- चेरी फल मस्तिष्क दक्षता को सुधारता है तथा आंखो की रोशनी के लिये बहुत फायदें मंद होता है. यह इम्यूनिटि सिस्टम, कब्ज, त्वचा रोग, अनिद्रा रोग, कैंसर रोग, हदय रोग, गठियां दर्द मधुमेह, के अति लाभकारी है.

भारत में चेरी फलों के स्थानीय नाम - चेरी (हिन्दी), चेरी (तेलगू), चेरीपजाम (मलयालम)

चेरी फल की किस्में- चेरी 100 से अधिक किस्में पाई जाती है और जिन्हें बिगररेउ और हार्ट समूहों में बांटा गया है-

बिगररेउ समूह - इस समूह का चेरी सामान्यत: इसका आकार गोलाकार तथा आमतौर पर फल का रंग अंधेरे से हल्के लाल भिन्न होता है. इसमें संकर किस्में जैसे- लैपिंस, सिखर सम्मेलन, सनबर्ट, सैम और स्टेला आदि है.

हार्ट समूह- इस समूह के तहत चेरी फल दिल का आकार का होता है तथा फल का रंग हल्का लाल तथा रेडिस रंग का होता है.

भारत में चेरी के किस्में-

हिमाचल प्रदेश - वाइट हार्ट, स्टैला, लैम्बर्ट, पींक अर्ली, तरतरियन, अर्ली रिवर और ब्लैंक रिबलन आदि है.

जम्मू कश्मीर - बिगरेयस नायर ग्रास, अर्ली परर्पिल, गुनेपोर, ब्लैक हार्ट,

उत्तर प्रदेश - गर्वेनश वुड, बेडफोर्ड, ब्लैक हार्ट

जलवायु की आवश्यकता - जैसे के हम सभी जानते है कि ठंडी जलवायु परिस्थितियों में चेरी अच्छी तरह से बढ़ती है. इसलिये इसे सर्दी मौसम में लगभग 1200-1500 घंटे चिलिंग की आवश्यकता होती है. यह समुद्री स्तर लगभग 2500 मी. उंचाई पर चेरी फलों का पैदावार अच्छा होता है. इसकी खेती भारत के राज्य हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तर प्रदेश में व्यवसायिक रूप से किया जाता है.

मिट्टी की आवश्यकता- चेरी का पौधा किसी भी प्रकार की मिट्टी में विकसित किया जा सकता है। विभिन्न प्रकार की भूमि में इसको लगाया जा सकता है. परन्तु इसके लिये रेतीली-टोमट मिट्टी को अच्छा माना जाता है. रेतीले टोमट मिट्टी की पी.एच. 6.0 से 7.5 होनी चाहिए. इस मिट्टी में नमी के साथ अच्छी तरह से सूखा हुआ उपजाऊ मिट्टी चेरी की खेती के लिए सबसे अच्छा है तथा इसके फूलों व फलों को पाले से बचाना जरूरी है. ध्याएन रहे कि मिट्टी ज्या।दा गीली ना हो वरना पौधा खराब हो सकता है।

चेरी फलों की खेती- आप चाहें तो चेरी के बीज या फिर पौधे खरीद कर लगा सकते हैं। मुख्य रूप से ग्राफ्टिंग पद्धति के माध्यम से चेरी पौधों को लगाया जा सकता है. आमतौर पर बीज अंकुरण के लिए शीतल उपचार की आवश्यकता होती है. आमतौर पर चेरी के बीज पूरी तरह से पके फल से निकाले जाते हैं. चेरी के बीजों को धो लें और फिर एक प्लाीस्टिसक की थैली में रखें और उसमें थोड़े से छेद कर दें। इस थैली को फ्रिज में 6-8 महीने तक ऐसे ही रखें और फिर इन्हें बाहर निकाल कर धो लें। बीज को सूखे और ठंडे स्थान पर संग्रहीत किया जाना चाहिए. इसके बाद इसे जमीन या फिर पॉट में लगाएं। चेरी के बीज 500 पी.पी.एम 3ए में लगभग एक दिन के लिए भिगोये जाने चाहिए. पौधे ऊपर उठी क्यारियों में लगाए जाते हैं. इन क्यारियों की चैड़ाई 105-110 से.मी व ऊँचाई लगभग 25 से.मी. रखनी चाहिए. दो क्यारियों के बीच में 55 से.मी का अन्तर रखा जाना चाहिए. क्यारियों में पौधों को चार पंक्तियों के बीच में 25 से.मी की दूरी व पौधे की आपसी दूरी से.मी रखना आवश्यक है. पौधों की रोपाई दिन के ठंडे समय में की जानी चाहिए. सुनिश्चित करें कि आप चेरी के बीज को उस जगह पर लगाएं जहां पर पर्याप्त सूरज की रोशनी हो। पौधे को कम 5-6 घंटे का सूर्य प्रकाश मिलना चाहिए। अगर इसे June - July में लगाया जाए तो वसंत तक यह उग आएंगे।

अप्रैल माह के कृषि कार्य

किसान भाइयों, इस वर्ष तो गर्मी का पूरा आगाज अप्रेल माह ही हो गया है। तापमान अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहा है। देश के कुछ भागों में तो पारा अभी से 40 डिग्री सेल्सियस पहुँच गया है।

▶▶ रबी फसलों की कटाई-मड़ाई

रबी की बहुत सारी फसलों जैसे सरसों, चना, मटर, मसूर आदि की कटाई-मड़ाई का कार्य लगे हाथ पूरा कर लें। इस माह रबी की मुख्य फसल गेहूं के साथ ही जौ की कटाई-मड़ाई एवं भंडारण का कार्य भी पूरा करना होगा। कटाई के समय दानों में 18-20 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। कटाई के बाद फसल को 4-6 दिन खलिहान में सुखाकर मड़ाई करें। मड़ाई के बाद दानों को भलीभाँति सुखा लें।

▶▶रबी उपज का भंडारण

ध्यान रहे भंडारण के समय दानों में 10-12 प्रतिशत से अधिक नमी न हो। भंडारण की जगह के मकड़ी के जाले आदि की साफ-सफाई करके कीटों से बचाव के लिए मैलाथिओन दवा का घोल बनाकर गोदाम की दीवालों एवं फर्श पर छिडकाव कर गोदाम को एक सप्ताह के लिए बंद कर दें। दाने को जीआई शीट से बनी टंकियों या भूसा के अंदर साफ बोरों में दानों को भरकर भंडारण करें। भंडार-गृह पूरी तरह एयरटाइट हो ताकि भंडार-गृह हवा व नमी से मुक्त रहे।

▶▶फ़सलोत्पादन

रबी फसलों से खाली हुए खेतों में जायद की बहुत सारी फसलें जैसे मूंग, उर्द, सूरजमुखी,गन्ना, चारे की फसलें, सब्जी वाली फसलें जैसे लौकी, कद्दू, तोरई, करेला, भिण्डी, खरबूज, तरबूज, पत्तीवाली सब्जियां जैसे पालक, चौलाई, धनिया आदि की बुआई भी इसी माह की जानी है। खेतों में उचित नमी के लिए पलेवा करने के साथ ही साथ उत्तम बीज और आवश्यक उर्वरकों का तत्काल इंतजाम कर ओट आते ही उचित नमी की दशा में अच्छी तरह खेत की तैयारी कर ससमय सही ढंग से बुआई का कार्य पूरा कर लें।

▶▶ग्रीष्मकालीन मूंग

ग्रीष्मकालीन मूंग को एक बोनस फसल कहा जा सकता है।

धान - गेहूं फसल चक्र में गेहूं की कटाई के बाद मूंग की फसल लेने से न केवल मूंग की उपज मिलती है, वल्कि मिट्टी की उर्वराशक्ति में भी वृद्धि हो जाती है। परिणामस्वरूप गामी फसल में 12 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से नाइट्रोजन की भी कटौती की जा सकती है। वांछित उपज के लिए मूंग की बुआई इस माह के प्रथम सप्ताह तक अवश्य पूरा कर लें।

यदि भूमि में नमी की कमी का आभास हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य कर दें। बीज दर 8-10 किलोग्राम प्रति एकड़, पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 से मी; पौधे से पौधे की दूरी 10 से मी; उन्नत प्रजातियाँ- मेहा, पूसा सम्राट, पूसा विशाल, पूसा 9531, पंत मूंग 2, नरेंद्र मूंग 1, मालवीय ज्योति, मेहा, मालवीयजागृती आदि।

बीजोपचार - की दवा 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से, इसके बाद राइजोबियम कल्चर का उपचार,

उर्वरक - 8 किलोग्राम नाइट्रोजन, 16 किलोग्राम फास्फोरस व 8 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़। यदि गंधक और ज़िंक की कमी हो तो 16 किलोग्राम सल्फर बेंटोनाइट और ज़िंक की कमी के लिए 6-8 किलोग्राम ज़िंक सल्फेट प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।

▶▶सूरजमुखी

गेहूं काटने के बाद अप्रेल में सूरजमुखी की बुआई भी कर सकते हैं।

बीज की मात्रा 4 किलोग्राम प्रति एकड़, लाईन से लाईन की दूरी 60 से मी, पौधे से पौधे की दूरी 20 से मी।

▶▶गन्ना

रबी के खाली खेतों में गन्ने की बुआई इस माह पूरी कर लें। गन्ने की फसल के साथ लोबिया व मूंग की बुआई अन्त: फसल के रूप में की जा सकती है। गन्ने की दो लाइनों के बीच एक लाइन लोबिया या मूंग की बोई जाती है। इससे मूंग की उपज के साथ ही प्रति एकड़ 12-16 किलोग्राम नाइट्रोजन की बचत हो जाती है। अन्त: फसल की आय से गन्ने की फसल के खर्च में मदद मिल जाती है। महिलाओं और बच्चों के लिए रोजगार के भी अवसर मिल जाते है।

बुआई के लिए 3 आँख वाले टुकड़े ज्यादा उपयुक्त रहते हैं। एक एकड़ के लिए 15000-16000 टुकड़े लगते हैं। बीजोपचार करना न भूलें। बीजोपचार के लिए दवा का 0.2 प्रतिशत का घोल बनाकर 15 मिनट तक बीज को उपचारित करें। इससे सभी बीमारियों को रोका जा सकता है। एक एकड़ के लिए 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 24 किलोग्राम फास्फोरस व 24 किलोग्राम पोटास की संस्तुति की जाती है। अच्छा हो कि उर्वरक प्रयोग मिट्टी की जांच के आधार पर किया जाय। यदि गंधक और ज़िंक की कमी हो तो क्रमश: 16 किलोग्राम सल्फर बेंटोनाइट और 5 किलोग्राम ज़िंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।

बरसीम से बीज उत्पादन

यदि बरसीम से बीज तैयार करना हो तो कटाई रोक देनी चाहिए। फूल आ जाने पर सिंचाई नहीं करनी चाहिए। इसके बाद जरूरत हो तो एक सिंचाई कर देनी चाहिए। मई तक फसल पक कर तैयार हो जाएगी।

चारा उत्पादन

चारे के लिए बहू कटाई वाली किस्में जैसे मीठी सूडान, एमपी चरी, पूसा चरी 23, जवाहर चरी की बुआई करें। इनसे प्रति एकड़ 240-250 कुंतल हरे चारे की उपज मिल जाती है। इनके अलावाँ इस माह चारे के लिए ज्वार, लोबिया, मक्का आदि की बुआई की जाती है। ज्वार और मकके के साथ लोबिया और ग्वार की मिलवान फसल लेने से चारे की पौष्टिकता बढ़ जाती है।

सब्जी उत्पादन

इस माह कद्दूवर्गीय फसलें जैसे कद्दू, लौकी, तोरई, खीरा, ककड़ी, खरबूज, तरबूज के साथ ही करेला, भिण्डी, चौलाई, पालक आदि की बुआई की जाती है। बीजों को कार्बेन्डान्जिम नामक दवा से 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से या ट्राइकोडेरमा 4 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर बुआई करें।

उर्वरकों के साथ कम्पोस्ट या पशुशाले की खाद का प्रयोग अवश्य करें। कद्दूवर्गीय फसलों में प्रति एकड़ 16-24 किग्रा नाइट्रोजन,16-24 किग्रा फास्फोरस व 12 -24 किग्रा पोटास की संस्तुति की जाती है। संकर क़िस्मों के लिए यह मात्रा दो गुनी कर देनी चाहिए। अच्छा हो कि उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी की जांच के आधार पर किया जाय ताकि गौण व सूक्ष्म पोशक तत्वों की आवश्यक मात्रा बुआई के समय ही दी जा सके। नाइट्रोजन की आधी मात्रा और फास्फोरस व पोटास की पूरी मात्रा बुआई के समय और नाइट्रोजन की शेष मात्रा खड़ी फसल में दो बार में टापड्रेसिंग के रूप में देना चाहिए। लौकी व कद्दू की बुआई के लिए लाइन से लाइन की दूरी 2 मी एवं पौधे से पौधे की दूरी 1 मी, तोरई के लिए लाइन की दूरी 1 मी एवं पौधे से पौधे की दूरी 50 से मी, करेले के लिए लाइन की दूरी 15 मी एवं पौधे से पौधे की दूरी 60 से मी रखनी चाहिए।

▶▶उद्यानिकी

आम

जब तक पौधा फलन में नही आता तब तक पौधे के उचित बढ़वार एवं विकास के लिए गर्मी में 10 दिनों के अंतराल पर हल्की सिंचाई करनी चाहिए। फल मक्खी के वयस्कर कीटों को फंसाने के लिए ट्रैप का इस्तेमाल करें। ट्रैप के लिए गुड़ का शीरा या ताड़ी में 0.2 प्रतिशत कार्बोरिल मिलाकर खुलेडिब्बों में पेड़ पर टांग देते हैं। फुदका कीट से बचाव के लिए जब फल मटर के बराबर हो जाय तब इफको-एमसी की यूकाता (बुप्रोफेजिन 25 ई सी) नामक कीटनाशक दवा की 1-2 /लीटर पानी में